सत्यता और निष्पक्षता के साथ नई बुलंदियों पर

NNI
हर खबर पर पक्की नजर

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

न्यूज नेक्स्ट इंडिया

कर्तव्यपथ पर चतुर्थ वर्ष

www.nnindianews.com

वर्ष :04, अंक :-351, पृष्ठ : 12 | सोमवार, 30 जून, 2025 | मूल्य- 03.00 रुपये मात्र

आसमानी आफत

बिहार में बिजली गिरने से 5 मौतें:हिमाचल में लैंडस्लाइड के बाद टनल में फंसी गाड़ियां

नई दिल्ली। बिहार के भोजपुर, बक्सर और नालंदा में बिजली गिरने से 5 की मौत हो गई। वहीं, गया के इमामगंज में लगुराही वाटरफॉल में रविवार को अचानक पानी बढ़ गया। तेज बहाव में 6 लड़कियां बह गईं। स्थानीय लोगों ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

मौसम विभाग के अनुसार, आज 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश होगी। उत्तराखंड और झारखंड में रेड अलर्ट जारी किया है। यहां लैंडस्लाइड की भी चेतावनी है। मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत 12 राज्यों में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। 17 राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट है। हिमाचल में 20 जून के बाद से बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। आज हिमाचल के 4 जिलों में स्कूल बंद हैं। मंडी में जूनी-ब्यास नदी उफान पर हैं। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने से 2 लोगों की मौत हुई।

बारिश के बाद रोकी चार धाम यात्रा फिर से शुरू

भारी बारिश के बाद चार धाम यात्रा पर 24 घंटे के लिए लगी रोक हटा दी गई है। गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने सोमवार को बताया कि यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले जिलों के जिलाधिकारियों को मौसम की स्थिति को देखते हुए वाहनों को रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

शिमला में बारिश के बाद 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी

शिमला के भट्टाकुफर 5 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। चमियाना सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की ओर जाने वाली सड़क पर हुआ हादसा। बारिश के बाद नींव कमजोर होने से बिल्डिंग गिर गई।

1 जुलाई को कैसा रहेगा देश का मौसम

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ में तेज बारिश की संभावना है। यहां तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट रहेगा।

असम, मेघालय, सिक्किम समेत पूर्वोत्तर राज्यों में बहुत ज्यादा बारिश का रेड अलर्ट रहेगा। मेघालय में लैंडस्लाइड और असम में बाढ़ की स्थिति बन सकती है।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में 1-3 जुलाई तक बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी है। दोनों राज्यों के कुछ जिलों में 24 घंटे में 4.5 इंच तक बारिश हो सकती है।

केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना जैसे तटीय राज्यों में ऑरेंज अलर्ट रह सकता है। केरल के थ्रिसुर, मलप्पुरम, और कोझिकोड जिलों में बहुत भारी बारिश की संभावना है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा में ऑरेंज अलर्ट जारी है।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाका

10 मजदूरों की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले की केमिकल फैक्ट्री के एक रिएक्टर में विस्फोट में 10 मजदूरों की मौत हो गई है। 15 से 20 लोग जख्मी हुए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। अभी कई लोगों के फंसे होने की खबर है। हादसा पाशमिलारम स्थित सिगाची केमिकल इंडस्ट्री में सुबह 7 बजे हुआ। विस्फोट के बाद मजदूर फैक्ट्री से बाहर भागते दिखे। अभी विस्फोट की वजह सामने नहीं आई है।

लखनऊ में कपड़ा व्यापारी ने पत्नी-बेटी संग दी जान

लखनऊ। आज सुबह एक कपड़ा व्यापारी के घर में तीन लोगों की लाशें मिली जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों में पति-पत्नी समेत नाबालिग बेटी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि कपड़ा व्यापारी शोभित रस्तोगी, पत्नी सुचिता रस्तोगी और उनकी 16 साल की बेटी ख्याति रस्तोगी ने रविवार की रात जहर खाकर सुसाइड कर लिया। घर से मिले सुसाइड नोट में आर्थिक तंगी और भारी लोन का जिक्र किया गया है। घटना लखनऊ के चौक थाना क्षेत्र के नक्खास स्थित अशरफाबाद इलाके में हुई। यहां स्थित एक फ्लैट से तीनों की लाश मिली हैं। जानकारी के मुताबिक शोभित की कपड़े की दुकान राजाजीपुरम में थी और वह एक बड़े व्यापारी थे। हालांकि, आर्थिक तंगी और कर्ज के दबाव ने उन्हें इस हद तक मजबूर कर दिया कि उन्होंने परिवार सहित यह खौफनाक कदम उठा लिया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि लोन न चुका पाने के कारण परिवार आर्थिक तनाव से गुजर रहा था। पुलिस को शोभित के भाई शेखर रस्तोगी ने सुबह सूचना दी कि उनका भाई शोभित, भाभी सुचिता और भतीजी ख्याति अपने फ्लैट में बेहोश पड़े हैं। सूचना मिलते ही चौक थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और तीनों को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

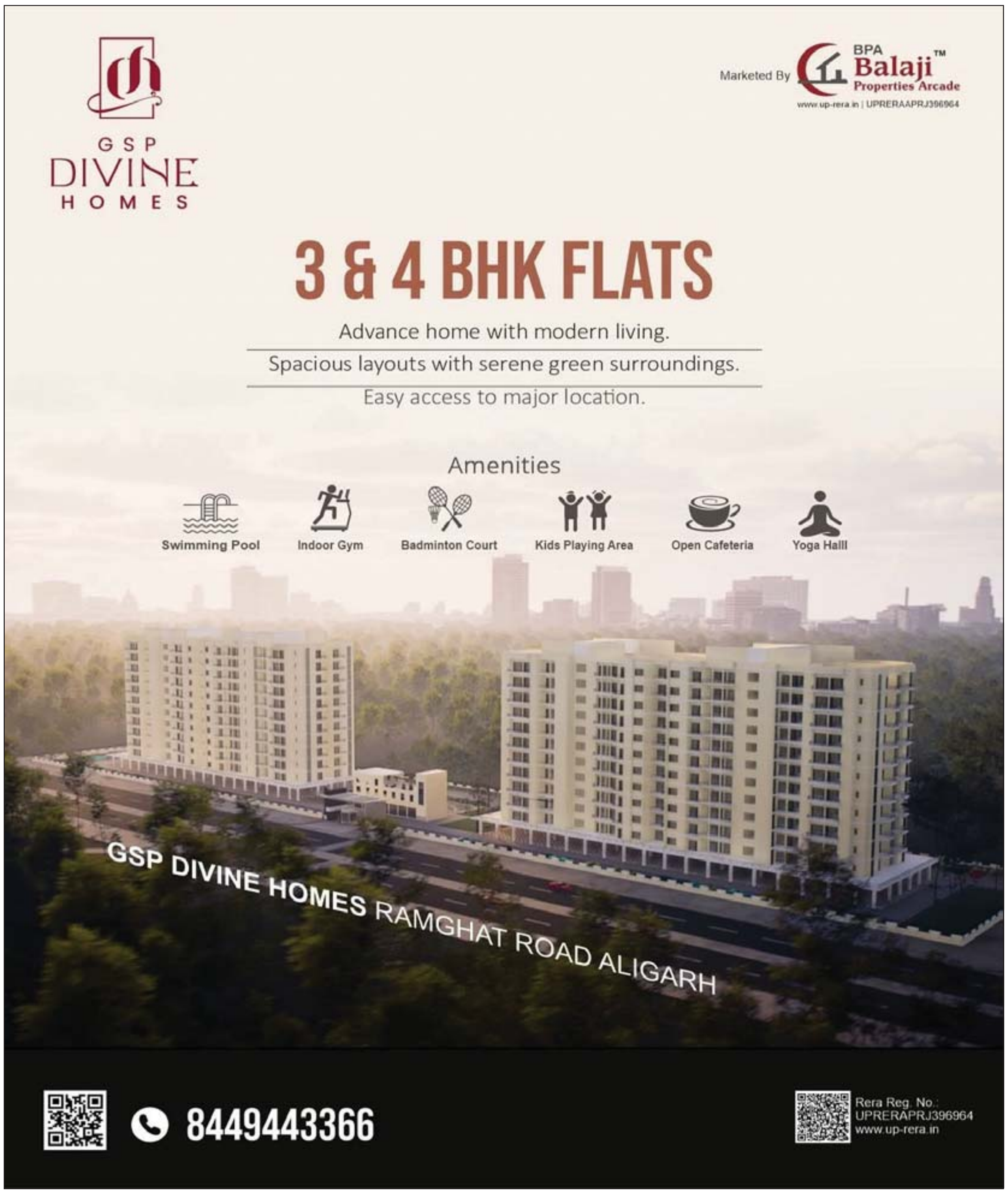

दो घंटे उपद्रव की आग में जला करछना

बाइकें फूंकी और बसों में तोड़फोड़... पथराव, भीड़ ने जमकर किया तांडव

प्रयागराज। भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद को रोके जाने के बाद प्रयागराज के करछना में हुए बवाल के दौरान भड़ेवरा बाजार दो घंटे तक उपद्रव की आग में जलता रहा। 3:30 बजे के करीब पथराव-तोड़फोड़ करते हुए भीड़ आगे बढ़ी तो बाजार में भगदड़ मच गई।

भीड़ का उग्र रूप देख पहले डायल 112 और फिर भुंडा चौकी व करछना थाने के पुलिसकर्मी भाग खड़े हुए। इसके बाद भीड़ ने जमकर तांडव किया। कई थानों की फोर्स व पीएसी लेकर पहुंचे एडिशनल सीपी अपराध डॉ. अजयपाल शर्मा ने करीब 5:30 बजे भीड़ को मशक्कत के बाद काबू किया।

भड़ेवरा बाजार के एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि सुबह से ही इसौटा जाने वाले करछना-कोहड़ार मार्ग पर हलचल थी। दोपहर दो बजे तक दो से ढाई हजार युवक बाजार से सटे हनुमानपुर मोरी चौराहे पर जुट चुके थे। 2:30 बजे के करीब अचानक उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी।

15 मिनट बाद वहां से भड़ेवरा चौराहे पर आकर जाम लगा दिया। भुंडा चौकी प्रभारी कैलाश कुमार और चार-पांच सिपाहियों ने हटाना चाहा तो भीड़ बेकाबू हो गई। आक्रोश देखकर पुलिसकर्मी भाग निकले और फिर थाने में सूचना दी गई।

उधर, भीड़ नारेबाजी करती रही। करीब 3:30 बजे करछना के साथ नैनी और औद्योगिक क्षेत्र थाने की फोर्स मौके पर पहुंची। डायल 112 की गाड़ी भी बुला ली गई। पुलिस आगे बढ़ी तो भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया। यह देख पुलिसकर्मी पीछे हटे। तभी भीड़ में शामिल युवकों ने पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ शुरू कर दी।

डायल 112 की गाड़ी पलटी

पहले तोड़फोड़ करते हुए डायल 112 की गाड़ी पलट दी। इसके बाद नैनी व औद्योगिक क्षेत्र थाने की गाड़ी क्षतिग्रस्त कर दी गई। यही नहीं जाम में फंसी प्राइवेट बस और अन्य वाहनों पर भी पथराव किया गया।

बाजार की दुकानों में भी तोड़फोड़

भीड़ में शामिल कुछ युवकों ने बाजार की दुकानों में भी तोड़फोड़ शुरू कर दी। इससे खरीदारी के लिए आए ग्राहकों में भगदड़ मच गई। करीब दो घंटे तक भीड़ का उपद्रव चलता रहा।

बवाल के बाद पुलिस जांच पड़ताल में जुटी तो मौके पर 42 बाइकें लावारिस हाल में मिलीं। बाजार के व्यापारियों से पूछने पर कोई भी इनके बारे में कुछ बता नहीं पाया। इसके बाद इन सभी को पुलिस कब्जे में लेकर थाने ले आई। साथ ही इन्हें सीज कर दिया गया। माना जा रहा है कि यह बाइकें उपद्रव में शामिल युवकों की हैं जो पुलिस के खदेड़ने पर बाइक छोड़कर भाग निकले। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव का कहना है कि सभी बाइकें सीज कर दी गई हैं। साथ ही विगत दिनों करछना के इसौटा लोहंगपुर में जिंदा जलाकर मारे गए दलित युवक (देवीशंकर) के घर जाना था। इसके लिए चंद्रशेखर रविवार की सुबह 11:40 बजे प्रयागराज पहुंचे। इसकी भनक लगने के बाद कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए पुलिस ने उन्हें एयरपोर्ट पर ही रोक लिया और वापस लौटने के लिए कहा।

> सूचना मिलने के कुछ ही देर बाद मौके पर पहुंचकर स्थिति नियंत्रण में कर ली गई। बवाल में शामिल लोगों को चिह्नित किया जा रहा है। 50 से 60 लोग चिह्नित हुए हैं और 20 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। कानून व्यवस्था के मद्देनजर ही सांसद को लोहंदा व करछना जाने की अनुमति नहीं दी गई। इसलिए उनसे रुकने का निवेदन किया गया।
>
> **-डॉ. अजयपाल शर्मा, अपर पुलिस आयुक्त अपराध**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में शिरकत करने पहुंचीं। वह समारोह में मेधावियों को पदकों से सम्मानित करेंगी। वह सुबह करीब 9:50 बजे भारतीय वायु सेना के विमान से त्रिशूल एयरबेस पर उतरीं। यहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया।

बदरीनाथ हाईवे पर पहाड़ी से गिरा भारी मलबा, बाल-बाल बचे लोग, आवाजाही बंद

उत्तरकाशी। बदरीनाथ हाईवे गौचर तलधारी के पास पहाड़ी से मलबा आने से बंद हो गया है। सुबह पहाड़ी से भारी मलबा और बोल्डर हाईवे पर गिरे। इस दौरान वहां से गुजरने वाले लोग बाल-बाल बचे। कर्णप्रयाग नेनीसैंण मोटर मार्ग आईटीआई से लगभग 500 मीटर आगे पहाड़ी से चट्टान टूटी।

सड़क बन्द होने से कपीरीपट्टी के लोगों को डिम्मर सिमली होते हुए कर्णप्रयाग पहुंचना पड़ेगा। उत्तराखंड में भारी बारिश का सिलसिला आज भी जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से देहरादून समेत नौ जिलों के लिए भारी से भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

जबकि, अन्य जिलों में भी भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली में कोरोना से दो की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना से दो बुजुर्गों ने दम तोड़ दिया। दोनों पहले से अस्पताल में दूसरी बीमारी का इलाज करवा रहे थे। इलाज के दौरान संक्रमण होने से स्थिति गंभीर हुई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, दिल्ली में शनिवार को 73 वर्षीय पुरुष ने दम तोड़ा। वह पहले से मेटास्टेटिक लंग कार्सिनोमा, एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम, बी/एल निमोनिया, उच्च रक्तचाप से पीड़ित थे। वहीं दूसरा मरीज 76 वर्षीय पुरुष था। उन्हें पहले से सेप्टिक शॉक के साथ सेप्टिसीमिया, मल्टीपल ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम, गंभीर निमोनिया, डीएम, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग की समस्या थी। इलाज के दौरान दोनों को कोरोना का संक्रमण हुआ और स्थिति गंभीर होने पर दोनों ने दम तोड़ दिया। डाटा के अनुसार दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 267 हैं। इनमें से शनिवार को 44 नए मरीज मिले। दिल्ली में एक जनवरी से अभी तक कोरोना के 3533 मरीज ठीक हो चुके हैं। इनमें से 59 मरीज शनिवार को ठीक हुए। दिल्ली में कोरोना से अभी तक 21 मरीज दम तोड़ चुके हैं। डॉक्टरों का कहना है कि पिछले कुछ समय से दिल्ली में कोरोना के मरीज तेजी से ठीक हो रहे हैं।

ईरान के धर्मगुरु का ट्रम्प और नेतन्याहू के खिलाफ फतवा

तेहरान। ईरान के सबसे सीनियर शिया धर्मगुरु ग्रैंड अयातुल्ला नासिर मकारिम शिराजी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ एक धार्मिक फतवा जारी किया है।

उन्होंने इन दोनों नेताओं को अल्लाह का दुश्मन बताया है। साथ ही दुनिया भर के मुसलमानों से कहा है कि वे एकजुट होकर इन नेताओं को ईरान पर हमले के लिए पछताने के लिए मजबूर करें। मकारिम शिराजी ने अपने फतवे में कहा... जो कोई भी ईरान के सर्वोच्च नेता या किसी मरजा को नुकसान पहुंचाने या धमकाने की कोशिश करता है, वह मोहरिब यानी जंग को पसंद करने वाला अपराधी होगा। फतवा इस्लामी कानून की व्याख्या होती है। इसे मरजा की तरफ से जारी किया जाता है। मरजा बारह इमामी शिया मुसलमानों के सबसे ऊंचे धार्मिक पद को कहा जाता है।

ईरान को इजराइल से सीजफायर पर भरोसा नहीं

ईरान के आर्मी चीफ अब्दोलरहीम मूसवी को शक है कि इजराइल फिर से ईरान पर हमला कर सकता है। ईरान के आर्मी चीफ अब्दोलरहीम मूसवी को शक है कि इजराइल फिर से ईरान पर हमला कर सकता है। ईरान ने इजराइल के साथ युद्धविराम पर शक जताया। ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ अब्दोलरहीम मूसवी ने रविवार को सऊदी रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान से फोन पर बातचीत में कहा- हमें दुश्मन (इजराइल) के साथ युद्धविराम पर शक है। अगर फिर से कोई हमला हुआ, तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। मूसवी ने कहा कि जब ईरान अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में व्यस्त था, तब इजराइल ने उस पर हमल कर दिया और अमेरिका ने उसका साथ दिया। इससे पता चलता है ये दोनों देश किसी भी अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून का पालन नहीं करते। उन्होंने यह भी कहा-जंग हमने शुरू नहीं की है, लेकिन हमने हमलावर को अपनी पूरी ताकत से जवाब दिया। दोनों अधिकारियों ने डिफेंस के साथ- साथ कई द्विपक्षीय मुद्दे पर भी बात की। इजराइल और ईरान के बीच 12 दिन की लड़ाई के बाद 24 जून को सीजफायर हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसका ऐलान किया है। इस लड़ाई में ईरान के 610 और इजराइल के 28 लोग मारे गए।

स्वामी वीरेन अग्रवाल प्रकाशक **विवेक खंडेलवाल** मुद्रक इम्प्रेशन प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग लिमिटेड, सिकंदरा रोड, गुरु का ताल, आगरा से मुद्रित एवं **विवेक खंडेलवाल** मैनेजिंग डायरेक्टर बृज वैलबिल्ट प्राइवेट लिमिटेड, फ्लैट 302 तीसरी मंजिल ब्लॉक E /11/8 संजय प्लेस आगरा से प्रकाशित

प्रधान संपादक अरविन्द सिंह

RNI Ragistration No UPHIN/2021/88376

निदेशक (वित्त) स्वतंत्र कुमार

E MAIL newsnextindia1@gmail.com

Website:-www.nnindianews.com

(प्रधान संपादक इस अंक में समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी है)

सत्यता और निष्पक्षता के साथ नई बुलंदियों पर

NNi
हर खबर पर पक्की नज़र

न्यूज नेक्स्ट इंडिया

आगरा ब्रज

सोमवार, 30 जून, 2025 www.nnindianews.com

आगरा। ताजनगरी में इस समय घनघोर घटाएं छाई हुई हैं। शनिवार से हुई बारिश का क्रम रविवार और आज सोमवार को भी जारी रहा। रह-रहकर बादल बरस रहे हैं। रविवार सुबह 8 बजे से सोमवार सुबह 8 बजे तक आगरा में 63 एमएम बारिश हुई है। बारिश के कारण मौसम सुहाना हो गया है। रविवार को जहां पूरे दिन रैनी डे रहा तो वहीं सोमवार को भी सुबह से मौसम बादलों के साथ बारिश का बना हुआ है। इसका असर तापमान पर भी हुई है जो कि कम हुआ है। न्यूनतम तापमान जहां 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया तो वहीं अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस रहा। आईएमडी के अनुसार इस सप्ताह भारी बारिश की संभावना है। तापमान कम होगा और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

रह-रहकर बरस रहीं घनघोर घटाएं

63 एमएम बारिश हुई पिछले 24 घंटे में

04 दिन भारी बारिश होने की संभावना

फोटोः राहुल मिलन

हाईवे से लेकर प्रमुख सड़कें तक जलमग्न

एनएनआई

आगरा। उफनते नाले। ताल-तलैया बने रास्ते। घरों में भरा गंदा पानी और गलियों में बाढ़ जैसे हालात। हाईवे से लेकर एमजी रोड तक पानी ही पानी। कहीं दो फीट तो कहीं चार फीट पानी भरा हुआ है। यह नजारा रविवार को स्मार्ट सिटी का था। जहां बारिश ने नगर निगम के नाला सफाई की पोल खोल दी। नगर निगम की लापरवाही से बल्केश्वर स्थित लाल मस्जिद के पास घरों में पानी भर गया। नाला काजीपाड़ा उफनने से बिजलीघर चौराहे पर दुकानों में जलभराव से लाखों रुपये का सामान खराब हो गया। धनौली की गलियों में बाढ़ जैसे हालात रहे। निचले इलाके पानी में डूब गए।

3 जुलाई तक छाए रहेंगे बादल

अगले तीन दिन भी बारिश होगी। 3 जुलाई तक आसमान में बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग ने पूवार्नुमान व्यक्त किया है। चमक-गरज के साथ रात में भी बारिश होगी। 4 जुलाई के बाद आसमान साफ हो सकता है।

रविवार दोपहर करीब 12 बजे बारिश का सिलसिला शुरू हुआ। कभी तेज कभी रिमझिम बारिश रात 8 बजे तक होती रही। उधर, लोग नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों के गैर जिम्मेदार रवैये को कोसते दिखे। व्यापारी नेता टीएन अग्रवाल ने कहा कि प्रशासन निकम्मा है। महावीर नाला की तलीझाड़ सफाई नहीं कराई। कपड़ा व्यापारियों की दुकानों में पानी भर गया।

ताज की पार्किंग में गोलियों की तड़तड़ाहट, दहले पर्यटक

- बेरिकेडिंग पार करने की जिद में कार सवार युवकों ने की कई राउंड फायरिंग
- ताज सुरक्षा पुलिस कार सवारों को पकड़ने में रही नाकाम
- बाहरी जिलों से ताज देखने आए पर्यटकों में फैली दहशत

एनएनआई

आगरा। ताजमहल की सुरक्षा में एक बार फिर सेंध लगाने की कोशिश हुई। सोमवार सुबह ताजमहल तक गाड़ी ले जाने में नाकाम कार सवार युवक कई राउंड फायरिंग कर भाग खड़े हुए। ताजमहल की पार्किंग में गोलियां चलने से हड़कंप मच गया। पर्यटक दहशत में आ गए।

ताजमहल की पार्किंग गेट पार्किंग के पास सोमवार को कार सवार युवकों ने फायरिंग की। युवक कार को प्रतिबंधित क्षेत्र में ले जाने की जिद पर अड़े थे। पुलिस ने कार को रोकने की कोशिश की। इस पर कार सवार लोग फायरिंग कर फरार हो गए। घटना ताजमहल के पास अमरूद टीले की है। यहां बैरिकेडिंग की गई है। किसी भी तरह के वाहन अंदर नहीं जा सकते हैं। पुलिस तैनात रहती है। वाहनों को पार्किंग पर खड़ा किया जाता है। बताया गया कि सुबह मथुरा नंबर की एक कार पार्किंग के पास बैरिकेडिंग पर पहुंची। पुलिस ने कार सवार को इशारे से पार्किंग पर जाने को कहा। वो बैरिकेडिंग के पास कार ले आया। पुलिस ने उसे समझाया कि कार अंदर नहीं जाती है। इस पर वो बहस करने लगा। अंदर जाने की जिद करने लगा। बहुत देर तक बहस के बाद उसने कार तो मोड़ ली, लेकिन कार में सवार अन्य युवकों ने जाते समय फायरिंग कर दी और फरार हो गए। इससे वहां हड़कंप मच गया। पुलिस ने उनका पीछा करने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुई। ताजमहल की पार्किंग के पास की राउंड फायरिंग से बाहरी जिलों से आए पर्यटक दहशत में आ गए।

ताज सुरक्षा में कदर लापरवाही

ताजमहल की सुरक्षा में आए दिन सेंध लगाने की कोशिश होती रहती है। इसके बाद भी ताज सुरक्षा से जुड़े अधिकारी सबक नहीं ले रहे। ताजमहल पर बिछड़ों को मिलाकर अपनी पीठ थपथपाने वाली पुलिस ने आगरा एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी के बाद भी सजग नहीं हुई। फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले बेखौफ होकर भाग निकले।

अनूठी चोरी, बिना ताला तोडे 40 लाख का माल गायब

एनएनआई

आगरा। सदर थाना क्षेत्र के मुस्तफा क्वार्टर में एक सूने घर से लाखों के जेवरात और नकदी पार कर दी गई। चोरी की बडी वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। करीब 15 दिन बाद लौटे गृहस्वामी ने घर का सूपडा साफ देखा तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। सूचना पर पहुंची पुलिस मौका मुआयना कर चोरों की तलाश में जुट गई है। गृहस्वामी के अनुसार चोर मकान से करीब 45 लाख के जेवरात और नकदी समेटकर ले गए। घटना सदर के क्षेत्र के मुस्तफा क्वार्टर जी ब्लॉक में मनोज यादव मकान है। वह करीब 20 दिन पहले खेती-बाडी के सिलसिले में अपने पैतृक गांव शिकोहाबाद गए थे। शुक्रवार शाम को वह गांव से वापस लौटे तो अंदर का नजारा देख कर हैरान रह गए। सारा सामान बिखरा पडा था। अल्मारियां खुली पडी थीं और उसमें रखा करीब 40 तोले के सोने के जेवरात और डेढ लाख नकद गायब थे। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर आस-पडोस के लोग जमा हो गए। सूचना पर सदर पुलिस भी आ गई और मौका मुआयना के बाद मामला दर्ज कर वारदात के खुलासे में जुट गई। गृहस्वामी के अनुसार चोर करीब 45 लाख का माल समेटकर ले गए। पुलिस इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। ताकि चोरों तक पहुंचा जा सके।

बंद कमरे में मिला युवक का शव

एनएनआई

आगरा। ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र के राकेश नगर में बंद मकान के अंदर 26 वर्षीय युवक का शव लटका मिला। परिजनों ने हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया। युवक के भाई ने खुद पर यादव जाति के युवकों द्वारा जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि एक यादव सिपाही की शह पर पुलिस उल्टा उन्हें धमका रही थी। इसके चलते परिवार घर छोड़कर छिप कर रह रहा था। सिर्फ युवक चोरी छिपे घर में सोता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक के भाई बहोरन सिंह ने बताया कि उनका परिवार राकेश नगर गली नंबर तीन में रहता है। एक जून को सुमित नगर के अमित यादव, नगला किशन लाल के रेती यादव, सती नगर के मोनू सविता और एक अन्य युवक अचानक घर पर आए और पुरानी रंजिश में उनके ऊपर तमंचे से फायर किए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज तो किया, लेकिन आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की। एक यादव सिपाही, टेढ़ी बगिया का एक दरोगा और अन्य पुलिसकर्मी उल्टा उन्हें ही धमका रहे थे। सिपाही के रिश्तेदार ने उनके परिवार की युवती से अभद्रता और छेड़छाड़ की तो पुलिस ने 18 जून को दबाव बनाकर राजीनामा लिखवा दिया। इसके बाद बंदूक के दम पर उन्हें घर छोड़कर भागने को कर दिया। वह परिवार के साथ तब से घर छोड़ छिप कर रह रहे थे। बहोरन सिंह ने बताया कि उनके परिवार में पांच भाई, एक बहन और माता पिता हैं। छोटा भाई 26 वर्षीय चंद्रेश पेंटर का काम करता है। शुक्रवार को भाई सिकंदरा स्थित किराए के कमरे पर मिला था। एकदम सही हालत में था। वह पुलिस के डर से रात में गली के रास्ते घर में सोने जाता था और सुबह जल्दी निकल आता था। रविवार रात आठ बजे मां अशर्फी देवी और बहन ममता कुछ रिश्तेदारों के साथ घर से कुछ सामान निकालने गई थीं। उन्हें गेट पर ताला लगा मिला। ताला खोलकर अंदर गई तो चंद्रेश का शव लटका देख उनकी चीख निकल गई। जानकारी पर अन्य परिजन पहुंच गए। उन्होंने नामजदों पर हत्या कर शव को लटकाने का आरोप लगाया। कुछ पुलिसकर्मियों पर भी उत्पीड़न के आरोप लगाए।? घटना की जानकारी मिलते ही एसीपी छत्ता पीयूष कांत राय, इंस्पेक्टर ट्रांस यमुना भानु प्रताप फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पीड़ित परिवार को कार्रवाई का आश्वासन देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस के अनुसार शव दो दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। प्रथम दृष्टया पुलिस मामले को आत्महत्या मान रही है। पीड़ित ने अमित यादव, रेती यादव, मोनू सविता और एक अन्य युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। इसके साथ ही आरोपी और सिपाही के यादव होने के कारण समर्थन कर उनका उत्पीड़न करने का भी आरोप लगाया है।

> पूर्व में दर्ज मुकदमे में दबाव बनाने के आरोप गलत हैं। पुलिस ने पूर्व में एक वांछित को शरण देने की सूचना पर घर पर दबिश दी थी। आरोपी और परिवार तबसे घर से फरार था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।
>
> **पियूष कांत राय**
> **एसीपी छत्ता**

वैधानिक सूचना

सुधि पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गये तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति विज्ञापन दाता खुद ही जिम्मेदार है, पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहानिक जानकारी कर लें। किसी भी विज्ञापन से पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो न्यूज नेक्स्ट इंडिया के मुद्रक, प्रकाशक या संपादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

- प्रबंधक विज्ञापन

समाचार पत्र में छपे किसी भी लेख के लिए प्रधान संपादक उत्तरदायी नहीं है। प्रकाशित विभिन्न रचनाओं के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है। समाचार पत्र में प्रकाशित सामिग्री / विज्ञापन आदि से प्रधान संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र सिर्फ आगरा होगा।

उगाहीबाज हिंदू महासभा की पूर्व महिला पदाधिकारी गिरफ्तार

एनएनआई

आगरा। एत्माद्दौला पुलिस ने चौथ मांगने के मामले में अखिल भारत हिंदू महासभा की पूर्व पदाधिकारी मीना दिवाकर को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस काफी समय उसकी से तलाश में लगी थी। आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।

सुशील नगर, एत्माद्दौला निवासी सोनू के शराब के ठेके हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि 1 अप्रैल को अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय जाट, मनीष पंडित, बबलू वर्मा, मीरा राठौर, रजनी और मीना दिवाकर 1 लाख रुपये की चौथ की मांग कर रहे थे। न देने पर शराब के ठेके नहीं चलने देने की धमकी दी। उन्होंने डर के चलते 50 हजार रुपये दे दिए। 19 अप्रैल को आरोपी फिर से आए और दो दुकान के बदले 1 लाख रुपये की मांग की। बात नहीं मानने पर मंदिर का बहाना कर धरना देने की धमकी दी।

सोनू की शिकायत पर थाना एत्माद्दौला में चौथ मांगने की धारा में केस दर्ज किया गया। पुलिस ने पूर्व में संजय जाट, मनीष पंडित, बबलू वर्मा, मीरा राठौर, रजनी को जेल भेजा था। मीना दिवाकर की तलाश की जा रही थी। रविवार को दबिश देकर पुलिस ने मीना दिवाकर को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी छत्ता पियूष कांत राय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ 6 केस दर्ज हैं। इस मामले में भी तलाश की जा रही थी।

आगरा एयरपोर्ट को मिला धमकी भरा ईमेल

आगरा एनएनआई। एयरपोर्ट को एक बार फिर से धमकी भरा ई-मेल मिला है। इसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन सतर्क हो गया है। एयरपोर्ट परिसर में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया, हालांकि कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। इसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन ने राहत की सांस ली। धमकी भरा ई-मेल एयरपोर्ट की ऑफीशियल आईडी पर रविवार सुबह आया था। डीसीपी सिटी सोनम कुमार का कहना है कि ई-मेल किसने भेजा है, इसकी जानकारी की जा रही है।

समाजसेवी बनने की लगी होड़

पैसा किसी का, सेवा किसी की

ताजनगरी में समाजसेवियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। भले ही समाज सेवा से इनका दूर-दूर तक कोई नाता न हो, लेकिन नाम के आगे समाजसेवी कहलाना पहली पसंद बन गया है। समाजसेवा अब अखबारों से होती हुई इलैक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया पर जमकर नजर आती है। ऐसा लगता है जैसे स्वघोषित समाजसेवी बनने की होड़ मची है। कोई सामाजिक संस्था कार्यक्रम कराए या कोई त्यौहार आए तो होर्डिंग पर फोटो चमकाने के लिए समाजसेवी बरसाती मेढक की तरह निकाल आते हैं।

समाज सेवा पिछले कुछ दशक में एक उदारीकरण प्रक्रिया के बाद व्यापार का रूप इख्तियार कर चुका है। इनके पीछे परत दर परत कई राज दफन हैं । ऐसा नहीं है कि सभी संस्थाएं एक सी हैं। उंगलियों में गिनने लायक संस्थाएं हैं जो दिखावा करने के बजाए समाजसेवा को तरजीह देती हैं और पहचान भी उजागर नहीं करतीं। समाज सेवा का ढिंढोरा नहीं पीटतीं। हालांकि शहर में पिछले कुछ सालों में समाजसेवी संस्थाओं की उपज बढ़ी है। साथ ही इनके काले कारनामे भी बढ़े हैं। कहना गलत नहीं होगा कि इन स्वैच्छिक संगठनों के लिए 10 से ज्यादा कानून सरकार द्वारा बनाये गये हैं, जिनमें एक्ट व प्रावधान के जरिए दान की रकम पर छूट का प्रावधान है। टैक्स का पैसा देने के बजाय आम तौर पर एनजीओ को पैसा देना सफेदपोश, अपराधियों, कापोर्रेट सेक्टर की कम्पनियों के लिए अधिक मुनाफे का सौदा होता है। इसके जरिये वे मनमाफिक ब्लैक मनी को व्हाइट में बदल कर परमार्थ का तमगा हासिल करती हैं। तमाम स्वैच्छिक संगठनों के संचालक भले ही अनपढ़ व अशिक्षित हों, लेकिन उनके आफिस में बतौर कार्यकर्ता, आफिस मैनेजमेंट करने वाले एमबीए, बीटेक, सीए, एमसीए डिग्री धारक, युवक और युवतियां आफिस को गुलदस्ते की तरह सजाने का काम करती हैं।जिससे आसानी से आवश्यकता पड़ने पर विदेशी फण्डो, अनुदान देने

वाली कम्पनियों को रिझाकर उन्हें हर तरह की सुविधा मुहैया करायी जा सके और प्रोजेक्ट एनजीओ या संस्था के पाले में आसानी से आ जाये। ऐसी ही अनगिनत तिकड़म और जालसाजी का गोरखधन्धा बन चुका है समाज सेवा का कारोबार। अब समाज सेवी बनकर खुद को आम जनमानस के बीच प्रस्तुत करना हाईप्रोफाइल से लेकर साधारण व्यक्ति के लिए भी व्यक्तित्व निखारने का सिम्बल बन गया है। इसी कड़ी में शामिल है जनसेवक बनकर अकूत पैसा कमाने का जरिया। आम बोलचाल की भाषा में इसे समाजसेवा कहना मुनासिब है। इसके लिये किसी बहुत ज्यादा शैक्षिक डिग्री की आवश्यकता नहीं है। यह एक शार्ट कट सा सीधा रास्ता है। स्वैच्छिक संगठन का निर्माण करो और खुद को समाज सेवा के क्षेत्र में सम्मिलित कर इस चोखे धन्धे में स्वार्थ की गिरफ्त में परमार्थ के पैरोकार बनने का लुफ्त उठाओ।

इन स्वैच्छिक संगठनों को भी जनसूचना अधिकार के दायरे में लाना क्या गलत होगा। जबकि बीते कुछ वर्षों में इस अधिकार के ही कारण कई सरकारी, गैरसरकारी विभाग भ्रष्टाचार के काले कारनामे उजागर करने में सक्षम हुए हैं। उत्तर प्रदेश में ही लाखों पंजीकृत और अवैध एनजीओ समाज सेवा का काम कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में मिलने वाले पुरूस्कार, प्रशस्ति पत्र, विदेश यात्रायें भी उन लोगों को ही मिलता है जिनके पास पहुंच होती हैं। आखिर कब तक चलेगा समाज सेवा का यह गोरख धन्धा और कब तक इनाकी जालसाजी में पिसेगा देश के अन्तिम पायदान में खड़ा आम आदमी।

अब बात आती है संस्था के खातों में हो रहे गोलमोल पर। फर्जी तरीके से संचालित हो रही यह संस्थाएं अपने गोरखधंधे को बढ़ाने के लिए सुनियोजित तरीके से योजना बनाती रही हैं। पहले एक आइडिया निर्धारित किया जाता है। फिर इसके बारे में शहर में बड़े-बड़े होर्डिंग और विज्ञापन के जरिए प्रचार-प्रसार किया जाता है। यानी इस गोरखधंधे में शामिल लोग अपने व्यक्तिगत संबंध के आधार पर व्यापारियों और दूसरे गणमान्य लोगों से मिलकर सहायता राशि की मांग करते हैं। एकत्र हुई राशि का कोई आधिकारिक हिसाब-किताब नहीं रखा जाता। कुल एकत्र की गई राशि का 40 से 50 फीसद हिस्सा खर्च किया जाता है। बाकी सारा पैसा तथाकथित इन संस्थाओं से जुड़े जयचंदो की जेबों में चला जाता है। अपने आयोजन को प्रामाणिक बनाने के लिए यह संस्थाएं गणमान्य लोगों अथवा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को समारोह में अतिथि के तौर पर आमंत्रित करती हैं। अतिथियों की शिरकत के साथ ही इसका काम आसान हो जाता है। जिन लोगो को जुनून है कि मुझे समाज की सेवा करनी है तो वो फोटो छपवाने पर नहीं बल्कि काम पर ध्यान देते हैं। क्योंकि जो काम करता है उनका नाम अपने आप लोगो की जुबान पर आने लगता है।

जबकि फोटो जीवी सोशल मीडिया और अन्य जगह पर चेहरा चमकाने के लिए उतावले रहते हैं। ऐसे लोगों का समाज सेवा का भाव यहीं तक सीमित रहता है। फोटो क्लिक करिये और डालिये भी, लेकिन जब आप को अहसास हो कि समाज के लिए ऐसा काम कर दिया है जो लोगो को देखना जरूरी है। ताकि उसे देखकर और भी लोग प्रेरित हों। ताज्जुब यह भी है कि समाजसेवा गरीबों की जगह मलिन बस्ती या जरूरतमंदों के ठिकाने की जगह वातानुकूलित जगहों या स्टार रेटेड होटलों में होती है। उसमें भी अधिकांश असल मदद की उम्मीद लगाए लोग नहीं होते ऊपर से संस्थाओ या आयोजक व्यक्तियों द्वारा संख्या की हेराफेरी.. लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि सच्चे समाजसेवी नहीं रहे। आज भी प्रचार- प्रसार से दूर-दूर तक कोई संबंध न रखने वाले ऐसे अनेकों लोग हैं जो स्वयं कष्ट सहकर भी समाजसेवा को अपना जनून बनाये हुए हैं कुछ सामाजिक धार्मिक संस्थायें सेवा में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं।

चलते चलते हरी अनंत हरी कथा अनंता

आत्म प्रचार और विज्ञापन का रूप ले रही है सेवा

समाजसेवा निरन्तर एवं सुचारू रूप से जारी रहे उसके लिए आवश्यक है, हमारा व्यक्तित्व नेतृत्व अहंकारविहीन, सहनशील, निष्पक्ष एवं सामंजस्य के साथ काम करने वाला हो। दो अक्षर और दो मात्रा से बने सेवा शब्द के समुन्दर में धंधा बनाकर गोता लगाकर भवसागर को पार करने की जुगत में लगा हुआ है।समाजसेवा का एक रूप एनजीओं भी हैं जो विदेशों से राशि बटोरने से सरकारी अनुदान प्राप्त करने के लिए काफी सक्रिय दिखाई देते हैं। लेने और देने वाले की बीच दलाली, कमीशन तो कहीं तो कमीशन तो कहीं "काले" को 'सफेद' करने की प्रक्रिया के रूप में कहीं थोड़ी तो कहीं पूरी की पूरी रकम डकारने के मामले भी हैं।

पैसा किसी का, सेवा किसी की यह वाक्यांश समाजसेवा के क्षेत्र में व्याप्त एक विडंबना को दर्शाता है, जहां वास्तविक सेवा के बजाय दिखावा और धन का लालच अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। समाजसेवा के नाम पर कई बार भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी भी होती है, जहाँ लोग दान या सहायता का दुरुपयोग करते हैं। कुछ असामाजिक तत्व समाजसेवा के नाम पर धन और प्रसिद्धि कमाते हैं। वे वास्तविक रूप से समाज की भलाई के लिए काम करने के बजाय, अपनी छवि चमकाने और आर्थिक लाभ प्राप्त करने में लगे रहते हैं।लोग समाजसेवा को एक व्यवसाय बना लेते हैं, और वे वास्तविक रूप से समाज की समस्याओं को हल करने के बजाय, केवल अपने स्वार्थों को पूरा करने में लगे रहते हैं।समाज सेवा एक ढाल है, एक आड़ है, जिसके पीछे छुपकर राजनीति होती है और जेब भरी जाती है।

बूथों पर गूंजी मन की बात, भाजपा ने मनाया वृक्षारोपण व बलिदान दिवस

तीन प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन, कार्यकर्ताओं ने की सहभागिता

एनएनआई

आगरा। भारतीय जनता पार्टी आगरा महानगर ने रविवार को शहर के सभी 1760 बूथों पर एक साथ तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण, और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

बीजेपी महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने आगरा दक्षिण विधानसभा के माधव मंडल के बूथ संख्या 144 पर वरिष्ठ कार्यकताओं के साथ मन की बात सुनी। प्रधानमंत्री ने योग दिवस, डॉक्टर्स डे, सीए डे और वृक्षारोपण जैसे सामाजिक विषयों पर जनभागीदारी की सराहना की और एक पेड़ मां के नाम अभियान में सहभागिता की अपील की। इसके उपरांत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। राजकुमार गुप्ता ने कार्यकताओं को संबोधित कर राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की श्रृंखला में राम मंदिर स्थित पार्क में अमरूद, जामुन, नीम, अशोक सहित 10 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। सभी कार्यकताओं ने अपने लगाए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया।

इन कार्यक्रमों में अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, पूर्व सांसद प्रभुदयाल कठेरिया, इंद्रजीत आर्य, निर्मला दीक्षित, वीरेंद्र अग्रवाल, अवधेश रावत, हेमंत भोजवानी, राहुल सागर, नवीन गौतम, रोहित कत्याल, शिवकुमार राजोरा, मनोज राजौर, पार्षद रेनू गुप्ता, डॉ. निधि शर्मा, राजेश जिंदल, हेमंत प्रजापति, दिनेश अग्रवाल, अंजना असीजा, कुशल गोयल सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

सवा लाख रुद्राक्ष से बनेगा 11 फीट का शिवलिंग

- 11 जुलाई से शिव महापुराण कथा व महा रुद्राभिषेक महोत्सव, हर दिन 153 जोड़ें करेंगे रुद्राभिषेक

एनएनआई

आगरा। सावन के पहले दिन 11 जुलाई से बूढ़ी का नगला, दयालबाग स्थित महाकालेश्वर मंदिर में सात दिवसीय शिव महापुराण कथा और महा रुद्राभिषेक महोत्सव का आयोजन होगा। 17 जुलाई तक चलने वाले इस आयोजन में हजारों शिवभक्त भाग लेंगे। आयोजन समिति के अनुसार, यह पहला अवसर होगा जब श्रद्धालु सवा लाख रुद्राक्ष से निर्मित 11 फीट ऊंचे शिवलिंग का पूजन कर सकेंगे।

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में पंडित सुनील शास्त्री ने बताया कि प्रतिदिन 153 जोड़ें रुद्राभिषेक में शामिल होंगे, जिसमें 153 ब्राह्मण अभिषेक संपन्न कराएंगे। द्वादश ज्योतिर्लिंगों के पवित्र जल से शिवलिंग का अभिषेक किया जाएगा। साथ ही, सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण और पूजन भी किया जाएगा। आयोजन में प्रातः 6 से 8:30 बजे और 10 से 12 बजे तक महा रुद्राभिषेक, दोपहर 12 से 2 बजे तक पार्थिव शिवलिंग पूजन और शाम 4 बजे से श्री शिव महापुराण कथा होगी। कथा व्यास अंतरराष्ट्रीय शिव कथा मर्मज्ञ आचार्य मृदुल कांत शास्त्री होंगे। 14 जुलाई को शाम 5 बजे भव्य शिव बारात निकाली जाएगी, जिसमें नासिक बैंड, झांकियां और भजन मंडलियां आकर्षण होंगी। समापन 17 जुलाई को विशाल भंडारे के साथ होगा। पोस्टर विमोचन अवसर पर पवन शर्मा, रामचरण शर्मा, सुनील सिंघल, अरविंद द्विवेदी, सरिता तिवारी, नीलू पांडे, हिमांशु गौतम, शशि सिंह, ललित कपूर सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब के शिविर में 500 से अधिक लोगों ने लिया निःशुल्क उपचार

विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने दी सेवाएं, मुफ्त दवाएं और डेंटल किट वितरित

एनएनआई

आगरा। रोटरी क्लब ऑफ आगरा द्वारा रविवार को एसडीएम जूनियर हाई स्कूल, आगरा कैंट में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। अटल चौक सेवा समिति और आगरा कैंट प्री-पेड ऑटो टैक्सी ड्राइवर यूनियन के सहयोग से आयोजित इस शिविर में 500 से अधिक लोगों ने लाभ उठाया। शिविर में डॉ. शिव कुमार शर्मा, डॉ. विशाल शर्मा (सामान्य रोग), डॉ. गोविन्द शर्मा (हड्डी रोग), डॉ. काव्या शर्मा (स्त्री रोग), डॉ. राहुल सिंह (नेत्र), डॉ. दीपक गुप्ता व डॉ. शिखा गुप्ता (बाल रोग), और डॉ. विभोर तिवारी (दंत रोग) ने अपनी सेवाएं दीं। रोटरी क्लब अध्यक्ष रोटेरियन नम्रता पणिकर ने बताया कि सभी मरीजों को निःशुल्क दवाएं और डेंटल किट वितरित की गईं। गोयल सिटी हॉस्पिटल के सौजन्य से ब्लड प्रेशर और शुगर जांच भी की गई। चिकित्सकों को उपाध्यक्ष रोटेरियन जितेन्द्र जैन, क्लब ट्रेनर राजीव लोचन भारद्वाज व रोटेरियन दिगम्बर सिंह धाकरे ने सम्मानित किया। आयोजन व्यवस्था में रोटेरियन सृष्टि जैन और मनोज आर. कुमार की भूमिका सराहनीय रही। कार्यक्रम में अटल चौक सेवा समिति अध्यक्ष डी.पी. राठौर, पार्षद राकेश कन्नौजिया और यूनियन महामंत्री अनिल शर्मा ने सहयोगियों का आभार जताया।

सीए स्थापना दिवस पर मिले 252 रक्तवीर, कल होगा सम्मान

- आईसीएआई आगरा शाखा ने किया महारक्तदान शिविर का आयोजन

एनएनआई

आगरा। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) आगरा शाखा द्वारा 77वें सीए स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में समर्पण ब्लड बैंक, दिल्ली गेट पर महारक्तदान शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधान परिषद सदस्य विजय शिवहरे ने किया। शाखा अध्यक्ष सीए गौरव सिंघल ने बताया कि रक्तदान एक महादान है, जिससे कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। सीए अंकित मित्तल ने कहा कि नियमित रक्तदान से हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है। शिविर में कुल 252 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने रक्तदान किया। इससे पूर्व आयोजित छात्र शिविर में सीए विद्यार्थियों ने 42 यूनिट रक्तदान किया था। शिविर में सीए करन पंजवानी, आयुष गर्ग, सचिन बूबना, साक्षी जैन, विवेक अग्रवाल, मोहित गुप्ता, लोकेश गर्ग, संजीव ठाकुर, अजय जैन, पूजा गुरवानी, प्रमीत बंसल सहित कई सदस्य मौजूद रहे। संस्थान की ओर से एक जुलाई को फतेहाबाद रोड स्थित सिग्नेचर रिसॉर्ट में सीए दिवस मनाया जाएगा, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

भक्ति से सराबोर हुआ अग्रवाल भवन, श्याम कीर्तन में झूमे श्रद्धालु

- श्रीजी सरकार मित्र मंडल के छठवें निःशुल्क मासिक श्याम कीर्तन में झूमे श्रद्धालु

एनएनआई

आगरा। श्रीजी सरकार मित्र मंडल की ओर से आयोजित छठवां निःशुल्क मासिक श्याम कीर्तन रविवार को शाहगंज के खेरिया मोड़ स्थित अग्रवाल भवन में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। कीर्तन में भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते रहे। पूरा वातावरण श्याम भक्ति में रंग गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया और श्याम बाबा के जयकारों से सभा स्थल गूंज उठा। मंडल संरक्षक राजेश कुशवाह, मनीष वर्मा, नितिन कुशवाह, महामंत्री सुशील कुशवाह, प्रचार मंत्री सौरभ श्रीवास्तव, सचिव सुमित बंसल, मीडिया प्रभारी प्रवेंद्र प्रताप सिंह सहित मंडल के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान, आर्य समाज ने दिया सामाजिक समरसता का संदेश

- आर्य वीर दल एवं आर्य वीरांगना दल ने किया सर्वसमाज के विद्यार्थियों का सम्मान

एनएनआई

आगरा। आर्य वीर दल एवं आर्य वीरांगना दल की ओर से आर्य समाज मंदिर, जयपुर हाउस में आयोजित सम्मान समारोह में विभिन्न बोर्ड परीक्षाओं में 78 से 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 250 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ. देवी सिंह नरवार ने कहा कि आर्य समाज द्वारा जाति-धर्म से ऊपर उठकर सर्वसमाज के बच्चों को एक मंच पर सम्मानित करना प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने कहा कि यदि हर संस्था केवल अपने समाज के बच्चों को सम्मानित करेगी, तो सामाजिक संतुलन कैसे बनेगा? यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता की मिसाल है। संचालक वीरेंद्र कनवर ने बताया कि चयन केवल विद्यार्थियों की अंकतालिका के आधार पर किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों को मैडल, प्रमाण पत्र और वैदिक साहित्य भेंट किए गए। सम्मान समारोह में सीए मनोज खुराना, आर्यरत्न उमेश कुलश्रेष्ठ, अनुज आर्य, प्रेमा कनवर, रितिका अरोरा, राकेश तिवारी, सुधीर अग्रवाल, अभय यादव, वेद सिंधु, अर्जुन देव महाजन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अग्र मिलन समिति ने की गौसेवा

आगरा एनएनआई। अग्र मिलन समिति द्वारा कर्मयोगी द्वारा गौ सेवा एवं गो पूजन का कार्यक्रम किया गया जिसमें सभी बच्चे बड़े बुजुर्ग ने बढ़-चढ़कर भाग लिया गौ माता को कई तरह की सब्जियां फल दाल चावल इत्यादि अर्पण की गई सभी ने गौ माता के जयकारे भी लगे इस आयोजन में अग्र मिलन समिति गौ सेवा के लोग उपस्थित रहे। पवन बंसल, पुरुीप आग्वाल, हरीश गोयल, गिरीश अग्रवाल, दिनेश केगल, दरीश गोयल, सुमित गर्ग, सचित गोयल, शुभम अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, उमेश सिंघल, सचिन अग्तवाल, आशीष अग्रवाल, प्रमेन्द्र गर्ग, विजय अग्रवाल, पवन अग्रवाल, अरुण मित्तल, गिर्राज किशोर, अमरनाथ अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, लवी गर्ग संजय अग्रवाल, क्षेत्रीय पार्षद कंचन बंसल, रूती गोयल, शिल्पी गर्ग, रेनू असवाल, आदि एवं सभी बच्चा ने उपस्थित रहे ।

बजाजा कमेटी को मिला एक एसी ताबूत

आगरा एनएनआई। श्री श्रेत्र बजाजा कमेटी को जनसेवार्थ आज एक और एसी ताबूत दान में मिला है।यह ताबूत स्व. श्रीमती विमला देवी पत्नी स्व. श्री बालकिशन गुप्ता की स्मृति में पुत्र राजेश कुमार एवं पोत्र सचिन गुप्ता, अलका कुंज कमला नगर द्वारा प्रदत्त किया गया है।यह एसी ताबूत ,दो पार्ट वाला है।जिसे लिफ्ट में आसानी से बहुमंजिला तक ले जाया सकता है।इससे पहले कमेटी के ऐसा एक तथा कुल 18 ताबूत सेवारत है।अब कमेटी के पास कुल 19 ताबूत हो गये है।एमजी रोड स्थित बजाजा सेवा सदन पर यह ताबूत दान दाता परिवार ने कमेटी अध्यक्ष अनिल अग्रवाल को सौंपा। इस मौके पर कमेटी के महामंत्री राजीव अग्रवाल, उपाध्यक्ष विष्णु गर्ग, कोषाध्यक्ष ताराचंद गोयल, मंत्री प्रशांत गुप्ता , शिव कुमार गुप्ता, राकेश अग्रवाल, संजीव कुमार गुप्ता , मनोज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

कैम्प में 125 मरीज हुए लाभान्वित

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में गर्भ संस्कार के प्रति बढी जागरूकता

एनएनआई

आगरा। श्री चंद्रभान साबुन वाले सेवा ट्रस्ट एवं श्री अरविंदो सोसायटी आगरा शाखा द्वारा विश्व में अपनी तरह के पहले और अनूठे गभार्धान संस्कार एवं मेटरनिटी होम प्रताप नगर पर रविवार को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया।

तीन घंटे से अधिक चले शिविर में 125 मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से निशुल्क परामर्श के साथ-साथ मधुमेह, हीमोग्लोबिन और ब्लड प्रेशर की निशुल्क जाँच का भी लाभ मिला। साथ ही गर्भ संस्कार के प्रति भी उनकी जागरूकता में वृद्धि हुई।

योग, एक्यूपंक्चर और नेचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. सुनीता गर्ग, त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. वीके सोनकर, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. भारती अग्रवाल, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अन्विता गर्ग, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. हर्षा माहेश्वरी, जनरल फिजीशियन डॉ. पार्थ गर्ग और डॉ. वीना गुप्ता ने अपनी निशुल्क सेवाएँ मरीजों को प्रदान कीं।

इससे पूर्व वरिष्ठ चिकित्सक डॉ विकास जैन ने महर्षि अरविंदो और लाला चंद्रभान जी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया। इस अवसर पर श्री चंद्रभान साबुन वाले सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने कहा कि गर्भ संस्कार एवं मेटरनिटी होम विश्व का पहला ऐसा स्थल है जहाँ गर्भ संस्कार की प्राचीन परंपरा को आधुनिक मैटरनिटी सुविधाओं के साथ जोड़ा जाएगा। आगरा में यह पहल इस दिशा में भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने का प्रयास है। श्री अरविंदो सोसायटी आगरा शाखा की अध्यक्ष डॉ. सुनीता गर्ग ने कहा कि यह शिविर न केवल स्वास्थ्य सेवा का माध्यम है बल्कि भारतीय संस्कृति के उस स्वर्णिम अध्याय को भी पुनः स्थापित करने की पहल है जिसमें गर्भ संस्कार को जीवन निर्माण की पहली सीढ़ी माना गया है। यह आयोजन आधुनिक चिकित्सा और प्राचीन ज्ञान का संगम है जो भविष्य में पूरे देश और विश्व के लिए उदाहरण बनेगा।

इस दौरान श्री चंद्रभान साबुन वाले सेवा ट्रस्ट के रमेश चंद्र अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, नरेंद्र अग्रवाल, सीए अंकुर अग्रवाल, राकेश गर्ग, निधि विनय अग्रवाल, राजीव जैन, निधि अंकुर अग्रवाल, कांता माहेश्वरी, आनंद मंगल, नीतेश अग्रवाल सर्राफ और सीए पुरुषोत्तम अग्रवाल भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

गुरमत कैम्प में गुरसिख बच्चों को दस्तार (पगड़ी) बांधना सिखाया

एनएनआई

आगरा। गुरद्वारा दशमेश दरबार शहीद नगर विभव नगर आगरा पर चल रहे गुरमत कैम्प गुरुमुखी (पंजाबी) बोलना लिखना पड़ना, गुरु इतिहास, शस्त्र विद्या एवं कीर्तन के साथ आज 40वें दिन अमृतवेले से समूह साध संगत ने श्री सुखमनी साहिब पाठ श्री चौपाई पाठ किये सुबह अमृतवेले भाई जगतार सिंह हजूरी रागी द्वारा शब्द, पुता माता की आसीस गुरवाणी कीर्तन द्वारा निहाल किया।

अपरान्त गुरसिख बच्चो को गुरु गोबिंद सिंह साहिब जी की बक्शी दस्तार (पगड़ी) सजाई। सिखों की शान हाजिर नाजिर गुरु, चंवर छत्र के मालिक धन धन गुरु ग्रन्थ साहिब जी के आगे ज्ञानी मंशा सिंह ने अरदास की। वह गुरुघर के सेवक हरपाल सिंह ने गुरु मयार्दा के साथ दस्तार पगड़ी बाँधना सिखाया। दस्तार पगड़ी सिख धर्म में एक महत्वपूर्ण प्रतीक है, जो सम्मान, स्वाभिमान और आध्यात्मिक मूल्यों का प्रतिनिधित्व करती है। यह न केवल एक धार्मिक पहचान है, बल्कि यह एक जिम्मेदारी भी है कि वे सिख सिद्धांतों का पालन कर समाज में सकारात्मक योगदान करना एवं दस्तार पगड़ी बांधना गुरु के निमित सच्ची प्रीत जिसे सीखने में धैर्य विश्वास जरुरी है। प्रधान हरपाल सिंह, राजू सलूजा, श्याम भोजवानी, मलकीत सिंह,गुरिंदर सिंह, सुरेंद्र सिंह लवली, इंद्रजीत सिंह, लाडी वीर, हरजिंदर सिंह, देवेंद्र सिंह जुल्का, हरजीत सिंह भसीन आदि मौजूद रहे।

लायंस क्लब आकाश की नई टीम का भव्य स्वागत

एनएनआई

आगरा। लायंस क्लब आगरा आकाश की वर्षांत बैठक का आयोजन हरिपर्वत स्थित होटल होलीडे इन में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत ध्वज वंदना के साथ हुई, जिसके बाद मंडलाध्यक्ष (इलेक्ट) संजीव तोमर का स्वागत किया गया।

बैठक में नव-निर्वाचित अध्यक्ष अनिल वाष्णेय, सचिव अनुराधा गुप्ता, कोषाध्यक्ष जसविंदर सिंह, उपाध्यक्ष मुकेश गोयल और सुधा गुप्ता का पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया गया।

मंडलाध्यक्ष (इलेक्ट) संजीव तोमर ने कहा कि लायंस क्लब आकाश ने जिस प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ गौसेवा एवं समाजसेवा में अग्रणी भूमिका निभाई है, वह प्रशंसनीय है। मुझे विश्वास है कि नई टीम इस सेवा परंपरा को और आगे ले जाएगी।

उन्होंने क्लब के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए संजय गुप्ता को रीजन चेयरपर्सन और संजीव गुप्ता को जोन चेयरपर्सन के रूप में नामित किए जाने की घोषणा की।

वर्तमान अध्यक्ष संजीव गुप्ता ने अपने संबोधन में बताया कि सत्र 2024-25 में क्लब द्वारा "परमानेंट प्रोजेक्ट" के तहत फाउंड्री नगर स्थित राधा-कृष्ण गौशाला को गोद लिया गया। वर्षभर में क्लब ने वहां टिनशेड का निर्माण एवं 4500 वर्गफुट क्षेत्र में पक्के फर्श का निर्माण जैसे उल्लेखनीय सेवा कार्य किए। उन्होंने सभी दानदाताओं एवं सहयोगियों का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।

नव-निर्वाचित अध्यक्ष अनिल वार्ष्णेय ने कहा कि क्लब की सेवा परंपरा को आगे बढ़ाना और जनकल्याण के कार्यों में नई ऊर्जा के साथ योगदान देना नई कार्यकारिणी की प्राथमिकता होगी। हम अधिक से अधिक सहभागिता और सहभाग के साथ समाज की भलाई के लिए काम करेंगे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने किया। सचिव संगीता गुप्ता द्वारा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कोषाध्यक्ष राजकुमार खन्ना ने वर्षभर की आय-व्यय विवरणिका सभा में साझा की।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुनील शर्मा, मनोज गुप्ता, मुन्नालाल गुप्ता, पीके मोदी, विजय रोहतगी, विकास अग्रवाल, पवन अग्रवाल, सुबोध यादव, गौरीशंकर गुप्ता, अनमोल गुप्ता, पवन पेंगोरिया, रोहित महेश्वरी, सतीश ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

खण्डेलवाल वैश्य परिषद की नई कार्यकारिणी गठित

एनएनआई

आगरा। खण्डेलवाल वैश्य परिषद द्वारा होटल अतिथि वन, वाटर वर्क्स पर चुनाव अधिकारी मुरारी लाल व सह चुनाव अधिकारी कमल चन्द खण्डेलवाल की देखरेख में साधारण सभा के समक्ष चुनाव सम्पन्न किया गया और खण्डेलवाल वैश्य परिषद की नई कार्य कारिणी का गठन किया गया। निर्विरोध रूप से राजेन्द्र कुमार खण्डेलवाल को अध्यक्ष, श्यामलाल खण्डेलवाल को उपाध्यक्ष, पवन खण्डेलवाल को सचिव, राजीव खण्डेलवाल को कोषाध्यक्ष, तरूण खण्डेलवाल को उप सचिव एवं प्रथमेश खण्डेलवाल को अंकेक्षक नियुक्त किया। कार्यकारिणी के लिए महेश कुमार गुप्ता, प्रदीप खूटैटा, दिनेश भगत, मुकेश खण्डेलवाल, महेश खण्डेलवाल, देवेन्द्र खण्डेलवाल, राकेश खण्डेलवाल, सौरभ, शंकर, उत्तम चन्द को चुना गया। चुनी हुई कार्य कारिणी ने सर्व सहमति से संरक्षक मण्डल के लिए मुरारी लाल, कमल चन्द, प्रदीप खण्डेलवाल, दिनेश खण्डेलवाल का मनोनयन किया गया।

एक साथ जली चार चिताएं, पूरा गांव रोया

मिट्टी की ढाय में दबने से तीन महिलाएं और एक युवक की मौत ने झकझोरा, गांव में नहीं सुलगे चूल्हे

एनएनआई

फतेहपुर सीकरी। सीकरी के गांव उत्तू में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत के बाद मातम पसरा हुआ है। रविवार को मृतकों के शव गांव पहुंचते ही चीत्कार मच गई। महिलाएं शवों को देखकर बेहोश हो गईं गांव के घरों में चूल्हे नहीं सुलगाए गए।

हादसा चंबल जल परियोजना की पाइपलाइन के लिए खोदी जा रही लाइन मार्ग पर हुआ, जहां पीली मिट्टी लेने गए आधा दर्जन लोग मिट्टी की ढाय के नीचे दब गए। इस हादसे में तीन महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई। एक साथ चार चिताएं जलने से ग्रामीणों का कलेजा कांप गया। गांव में शोक की लहर है लोगों ने मृतकों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है सांसद पुत्र परमवीर चाहर, विधायक प्रतिनिधि डॉ रामेश्वर चौधरी,ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि गुड्डू चाहर,उपजिलाधिकारी नीलम तिवारी, एसीपी गौरव सिंह ने गांव पहुंच परिवारजनों को ढांढस बंधाया, प्रभारी निरीक्षक आनंदवीर सिंह,कस्बा इंचार्ज गौरव राठी व अन्य पुलिसकर्मियों ने भी मृतकों की अर्थी को कंधा दिया। मुकेश डागुर,समाजसेवी अरविंद चाहर, संतोष खिरवार,ओमकांत डागुर ने भी शोक संवेदनाएं व्यक्त की।

उत्तू में हुए दर्दनाक हादसे के बाद गांव पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की मांग की है। वरिष्ठ भाजपा नेता रामेश्वर चौधरी और ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि गुड्डू चाहर ने मामले की उच्च स्तरीय जांच और लापरवाही के लिए दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। समाजसेवी अरविंद चाहर ने सरकार से मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को दो-दो लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है जनप्रतिनिधियों ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और उन्हें न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। इस हादसे के बाद गांव में शोक की लहर है और लोगों ने सरकार से मांग की है कि मृतकों के परिवारों को न्याय मिले और दोषियों को सजा दी जाए। विगत दिवस हुए हादसे के पीछे कंपनी और प्रशासन की लापरवाही सामने आई है। ग्रामीणों के अनुसार, राजस्थान के धौलपुर से डीग तक पाइपलाइन डालने के लिए की गई खुदाई को बीच में ही छोड़ दिया गया। इसके बावजूद न तो गड्ढे की घेराबंदी की गई और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया। ग्रामीणों ने खतरे की आशंका जताई थी लेकिन कंपनी और भरतपुर प्रशासन ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। इसका खामियाजा ग्रामीणों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। हादसे में तीन महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई और आधा दर्जन लोग घायल हो गए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि कंपनी और प्रशासन की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है अब ग्रामीण न्याय की मांग कर रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

भाजपाइयों ने किया पौधा रोपण

बाह एनएनआई। भदावर हाउस में विधायक पक्षालिका सिंह, देवपुरा में भाजपा के जिलामंत्री मानवेन्द्र सिंह राठौड, जरार में पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम भदौरिया के नेतृत्व में भाजपाइयों ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात सुनी। मन की बात के बाद बोले कि आपातकाल थोपने वाले हार गये, प्रधानमंत्री ने 'वसुधैव कुटुंबकम' के जरिए दुनिया को भारत की ताकत का अहसास कराया है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एकता के सूत्र का जिक्र कर एक पेड़ मां अभियान के तहत पौधे रोपे। अपनों की स्मृति में पौधे रोपे जाने की शपथ दिलाई। इस दौरान कप्तान सिंह वर्मा, उमेश सिसोदिया, रामवरन कुशवाह, श्याम शर्मा, रिंकू भदौरिया, अनीश भदौरिया, देवेन्द्र मिश्रा, डॉ. मानवेन्द्र सिंह, विनोद सिंह प्रधान, पुलकित भदौरिया आदि रहे।

यमुना में डूबते हुए युवक को गोताखोर ने बचाया

बाह एनएनआई। आगरा के बल्हेरा गांव से चार दोस्त मुन्नालाल, हर्ष, सीताराम, योगेश रविवार को बटेश्वर में यमुना स्नान और भोलेनाथ के दर्शन पूजन को पहुंचे थे महादेव घाट पर चारों स्नान कर रहे थे। स्नान के दौरान मुन्नालाल यमुना के गहरे पानी में डूबने लगा जिस पर दोस्तों ने चीख पुकार मचा दी। घाट पर मौजूद अनिल गोस्वामी डूबते युवक को बचाने के लिए यमुना नदी में कूद गया उसे बेहोशी की हालत में नदी से बाहर निकाल लिया। बेहोशी टूटने पर मुन्नालाल ने बताया कि डूबते समय उसे जिंदा बचने की उम्मीद नहीं थी। गोताखोर देवदूत बन गया भोलेनाथ की कृपा से नई जिंदगी मिली है उसने गोताखोर का आभार जताया।

मंदिर से पीतल के घंटे चोरी, आक्रोश

एनएनआई

पिनाहट। पिढौरा थाना क्षेत्र के गांव बलाई में स्थित माता बला देवी मंदिर में बीती रात चोरों ने बड़ी चोरी की घटना को अंजाम देकर मंदिर के मुख्य कक्ष में रखे करीब 101 किलो वजन के बीस पीतल के घंटे चुरा लिए इसके साथ ही मंदिर में रखी दानपेटी भी चोर उठा ले गए घटना का पता तब चला जब सुबह मंदिर के पुजारी उत्तम सिंह रोजाना की तरह पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे। मंदिर के टूटे हुए दरवाजे देखकर पुजारी के होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत 112 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिढौरा थाना प्रभारी हरेंद्र कुमार ने बताया कि मंदिर गांव से बाहर स्थित है और पुजारी रोजाना शाम 7 बजे के बाद मंदिर बंद कर चले जाते हैं। पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है और जल्द ही मामले का खुलासा किए जाने का दावा किया गया है।

घटना के बाद गांव में श्रद्धालुओं के बीच आक्रोश और भय का माहौल है। ग्रामीणों ने मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है।

जनता की समस्याओं को लेकर भाकियू की किसान पंचायत आज

बाह एनएनआई। तहसील बाह के सभागार में सोमवार को प्रशासन के साथ होने वाली वार्ता में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) बिजली कटौती और तालाब-चक मार्ग के अतिक्रमण के मामले उठायेगी। तहसील अध्यक्ष भानु प्रताप उर्फ मोनू शर्मा ने बताया कि ग्रामीण किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए किसान पंचायत बुलाई गई है। बिजली कटौती दिन व दिन बढ़ रही है। बारिश के मौसम में भी तालाब और चक मार्ग अतिक्रमण मुक्त न होने से ग्रामीण किसानों की मुसीबत बढ़ गई है। बाह के एसडीएम हेमंत कुमार ने पंचायत, विकास, विद्युत,नहर,पीडब्ल्यूडी,नलकूप, पुलिस,पशुपालन,स्वास्थ्य, शिक्षा,राजस्व एवं रोडवेज के अधिकारियों को भाकियू की वार्ता में सोमवार को तहसील मुख्यालय पर दोपहर 12 बजे मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि संबंधित विभागों की समस्याओं का निदान संभव हो सकेगा।

रॉन्ग साइड से आए ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर

एनएनआई

फिरोजाबाद। सीएल जैन कॉलेज के पास हाइवे पर एक गंभीर सड़क हादसा हुआ। रविवार की रात को रॉन्ग साइड से आ रहे एक आरसीसी मिक्सर ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक ने दोनों युवकों को करीब 100 मीटर तक घसीटा।

घायल युवकों की पहचान मनोज और टिंकू के रूप में हुई है। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। यह ट्रक शहर में चल रहे ओवरब्रिज निर्माण कार्य में लगा हुआ था। घटना के बाद राहगीरों की भीड़ मौके पर जमा हो गई थी। घसीटे जाने के बाद युवकों के पैर बुरी तरह से लहू लुहान हो गए थे दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना में एक ईमानदारी की मिसाल भी सामने आई। घायलों की जेब से मिले 23,500 रुपये और मोबाइल फोन को अस्पताल चौकी पर तैनात दारोगा बलराम सिंह ने सुरक्षित रखकर उनके परिजनों को सौंप दिया। इंस्पेक्टर योगेंद्र पाल सिंह का कहना है कि ट्रक को थाने में खड़ा करा दिया गया है। टक्कर मारने वाले चालक की तलाश की जा रही है।

खोलते भगोने में गिरी दो साल की मासूम-हालत गंभीर

पिनाहट एनएनआई। रविवार सुबह थाना पिनाहट क्षेत्र के गांव सांवलदास पुरा में दो साल की मासूम शिवानी खेलते समय पशुओं के लिए चूल्हे पर रखे उबलते दलिया के भगोने में गिर गई। इस हादसे में वह गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिनाहट ले गए जहां से गंभीर स्थिति के कारण फतेहाबाद रेफर किया गया। हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों की सलाह पर मासूम को दिल्ली ले जाया गया जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। गांव गरकटू (थाना पिढ़ौरा) निवासी उपासना, पत्नी भगवानदास, एक सप्ताह पहले अपनी बेटी शिवानी के साथ ननिहाल सांवलदास पुरा आई थी रविवार सुबह करीब 10 बजे शिवानी खेलते समय चूल्हे पर रखे गर्म भगोने में गिर गई आनन-फानन में परिजन उसे पिनाहट स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां से फतेहाबाद और फिर दिल्ली रेफर किया गया

जनसंपादकीय

गरीबी रेखा का पुनर्मूल्यांकन हो

गरीबी के खिलाफ जंग में मनरेगा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अगर 25 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से ऊपर उठे हैं, तो ग्रामीण रोजगार स्कीम्स ने इस क्रांति को सफल अंजाम दिया है, बेशक क्रियान्वयन बेहतर और भ्रष्टाचार मुक्त हो सकता था। इस तथ्य को भी स्वीकारा जा सकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मुद्रा प्रवाह बढ़ा है, जिससे जीवन स्तर में हल्के बदलाव दिखने लगे हैं। सरकार की दो दर्जन से ज्यादा योजनाएं बदलाव का इंजन बन रहीं हैं। दक्षिण के प्रांतों में, मध्य प्रदेश और गुजरात में ग्रामीण योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से गरीबी उन्मूलन की दिशा में खासी प्रगति हुई है। बिहार, पश्चिम बंगाल, यूपी, झारखंड आदि राज्य प्रयासरत हैं दौड़ का हिस्सा बनकर आगे निकलने के लिए। फ्री राशन स्कीम जो कोविड काल में मजबूरी में शुरू हुई, अभी भी चल रही है। ये एक बहुत जबरदस्त बफर बनके उभरी है। आने वाले समय में गरीबी की परिभाषा बदलनी होगी। क्योंकि सत्यजीत राय की फिल्मों के जैसे गरीबी अब नहीं दिखती, बल्कि शहरों के स्लम्स, झुग्गी झोंपड़ियों में रहने वाले मोबाइल, टीवी, मोबाइक, एसी, आदि सुविधाएं उपयोग करने की हैसियत रखते हैं।

बीस साल पहले, कभी जनता पार्टी द्वारा शुरू किए गए "अंत्योदय" और "रोजगार के बदले अनाज" जैसी योजनाओं से शुरू हुआ भारत का सामाजिक सुरक्षा अभियान, 2005 में मनरेगा के जरिए एक कानूनी हक बन गया था। लेकिन अब यह सवाल उठ रहा है: क्या केंद्र सरकार की हालिया नीतियों ने इस योजना की आत्मा को घायल तो नहीं कर दिया है? मनरेगा–जिसे अब महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम कहा जाता है–एक समय गांव के गरीबों के लिए राहत की सांस था। यह योजना इस वादे पर टिकी थी कि हर ग्रामीण परिवार को साल में 100 दिन का रोजगार मिलेगा, वो भी मांगने पर सिर्फ.15 दिन के भीतर। लेकिन अब सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में खर्च पर 60% की सीमा लगाने का फैसला इस योजना को गंभीर संकट में डाल सकता है।

यह योजना सिर्फ.मजदूरी देने तक सीमित नहीं थी। गांवों में जल संरक्षण, सिंचाई, सड़क और अन्य जरूरी ढांचे तैयार कर कृषि को सहारा भी दिया गया। फिर भी, पिछले कुछ वर्षों में इस योजना की हालत कुछ बिगड़ती जा रही है। कुल बजट का हिस्सा GDP का महज 0.26% रह गया है, जबकि विशेषज्ञ इसे 1.7% तक बढ़ाने की सलाह दे रहे हैं। सबसे बड़ा संकट मजदूरी के भुगतान में देरी है। मार्च 2025 तक 21,000 करोड़ सिर्फ. पुराने बकायों को चुकाने में खर्च हो चुके थे। नई मजदूरी के लिए पैसे ही नहीं बचे। मजदूरों को महीने-दो महीने तक मजदूरी नहीं मिलती, जिससे वे कर्ज.में डूब जाते हैं। ऊपर से मजदूरी दरें भी शर्मनाक रूप से कम हैं–202 से 357 प्रतिदिन–जो 2009 की महंगाई दर के आधार पर तय की गई थीं। विशेषज्ञों ने बार-बार नए आधार वर्ष 2014 को लागू करने की माँग की, लेकिन सरकार ने कान नहीं दिए। मजदूरी न्यूनतम वेज एक्ट के तहत तय की जानी चाहिए। कम मजदूरी की वजह से गांव से शहर की तरफ पलायन रुक नहीं पा रहा है। औसतन हर परिवार को साल में केवल 50 दिन का काम ही मिल पा रहा है। 100 दिनों का वादा पूरा होने की दर महज 7% है। जाहिर है, नीति और हकीकत के बीच बहुत बड़ा फासला है। भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर आधार लिंक भुगतान और मोबाइल ऐप से हाज़िरी जैसे तकनीकी उपाय लागू किए गए हैं। लेकिन इससे असली जरूरतमंद–बूढ़े, अनपढ़, स्मार्टफोन या इंटरनेट से वंचित लोग–योजना से बाहर हो रहे हैं। ग्राम पंचायतों की भूमिका भी कमजोर हो गई है। सामाजिक ऑडिट, जो एक समय निगरानी का असरदार जरिया था, अब सिर्फ.दिखावा बनकर रह गया है। पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में केंद्र और राज्य की सियासी खींचतान का खामियाजा आम मजदूर भुगत रहा है–उसे रोजगार भी नहीं और जवाब भी नहीं। कई राज्यों में मनरेगा में भारी घोटालों की खबरें भी सामने आई हैं। लेकिन जांच का रवैया भी राजनीतिक मंशा पर निर्भर दिखता है–कहीं कार्रवाई, तो कहीं चुप्पी। बिहार के पब्लिक कॉमेंटेटर प्रोफेसर पारस नाथ चौधरी कहते हैं कि अगर यही हाल रहा, तो जलवायु परिवर्तन और अनियमित मानसून की मार झेल रहे किसान और मजदूर और ज्यादा परेशान होंगे। नोटबंदी और कोरोना जैसे संकटों में भी यही योजना ग्रामीण भारत का सहारा बनी थी।" अगर सरकार वाकई ग्रामीण कल्याण को लेकर संजीदा है, तो उसे चाहिए कि 60% खर्च की सीमा हटाकर योजना को उसकी मूल भावना–मांग पर आधारित रोजगार–की ओर लौटाए। बजट को कम से कम जीडीपी के 1.7% तक बढ़ाया जाए, मजदूरी दरें समयानुसार सुधारी जाएं और भुगतान में देरी खत्म की जाए।

बृज खंडेलवाल (लेखक के निजी विचार)

पहली पीढ़ी के लिए डॉक्टर बनने की मुश्किल सीढ़ी

पूजा मक्कड़, नई दिल्ली

भारत में डॉक्टरों की कमी की खबर कोई नई बात नहीं है, आमतौर पर ऐसा सोचा जाता है कि भारत की आबादी ही इतनी ज्यादा है कि डॉक्टर कम ही पड़ जाते हैं, लेकिन अगर पहली पीढ़ी के बच्चे डॉक्टर बनने के ख्याल से इसलिए डरने लगे कि न जाने भविष्य में डाक्टरी की मुश्किल पढ़ाई करने पर भी सफलता हासिल होगी या नहीं, तो डॉक्टरों की कमी की समस्या और ज्यादा भी हो सकती है।

परिवार में पहले से कोई डॉक्टर मौजूद न हो, तो डाक्टरी को करियर के तौर पर चुनने में क्या अनिश्चितताएं एक युवा के मन में आती हैं। इस बारे में विस्तार से जानने से पहले यह जान लेना जरूरी है कि फिलहाल भारत में डॉक्टरों की स्थिति क्या है।

1 अनार 100 बीमार: यह कहावत भारत में पूरी तरह से सटीक बैठती है। आंकड़ों के हिसाब से भारत में 834 लोगों के लिए औसतन 1 डॉक्टर है। ये आधिकारिक आंकड़े फरवरी 2024 में तब के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया ने लोकसभा में पेश किए थे। तब स्वास्थ्य मंत्री ने लोकसभा को ये जानकारी भी दी थी कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक 1 हजार लोगों पर कम से कम 1 डॉक्टर का औसत होना चाहिए। जबकि भारत का औसत इससे बेहतर है। हालांकि इसके बावजूद देश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को महीनों की वेटिंग लिस्ट मिल रही है और कई सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी एक बहुत बड़ी समस्या है। ऐसे में 834 मरीजों पर 1 डॉक्टर का औसत प्राइवेट सेक्टर के डॉक्टरों की बदौलत ठीक हुआ होगा, इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता।

क्यों नहीं बनना चाहते युवा डॉक्टर

भारत में पहली पीढ़ी अब डॉक्टर बनने की तमन्ना नहीं रखती। मतलब ये कि अगर किसी परिवार में पहले से डॉक्टर मौजूद हैं तो नई पीढ़ी के बच्चे डॉ बनने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन अगर परिवार में पहले से कोई भी डॉक्टरी के पेशे में नहीं है तो पहली जेनरेशन डॉ बनने के बारे में कम ही सोचती है। आप कह सकते हैं कि आमतौर पर परिवार में जो लोग जिस पेशे में होते हैं, बच्चे उसी प्रोफेशन को अपनाते हैं, मसलन आईएएस माता पिता के बच्चे यूपीएससी की परीक्षा देते हैं, इसी तरह इंजीनियर माता पिता की संतान की इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने की संभावना बाकियों के मुकाबले ज्यादा होती है, लेकिन डॉक्टर बनने का मामला थोड़ा अलग है।

डॉक्टरी की राह में कई चुनौतियां हैं...

मुश्किल परीक्षा - लंबी पढ़ाई

दरअसल 12वीं के बाद नीट की परीक्षा देना, जिसमें तगड़ी प्रतियोगिता पार करनी होती है,उसके बाद 5 साल की मेहनत के बाद एमबीबीएस पूरी करना अपने आप में चुनौती है। साधारण एमबीबीएस करके फिजीशियन बनने का जमाना अब रहा नहीं।

इस वर्ष यानी 2025 में कुल 22,09,318 छात्रों ने एमबीबीएस करने के लिए यानी डॉक्टर बनने की चाहत में नीट की परीक्षा दी। जिसमें से 12,36,531 छात्रों ने इस पेपर को पास किया। यानी डॉ. बनने की चाहत रखने वाले डॉक्टरों के मुकाबले आधे से थोड़े ज्यादा छात्रों की तमन्ना ही पूरी हो सकी। फिर नीट पीजी की परीक्षा देना और डॉक्टरी में पोस्ट ग्रेजुएट बनना, उसमें अगले 3 साल लग सकते हैं।

12वीं के बाद 8 साल की पढ़ाई के बाद कोई एमडी या एमएस डॉक्टर कहला सकता है। उसके बाद अगर सुपर स्पेशलिस्ट बनना है तो दो से तीन साल और जोड़ लीजिए। यानी 14 साल के बाद डॉक्टरी की शीर्ष पढ़ाई पूरी होती है। उसके बाद शुरू होता है डॉक्टरी के पेशे में सही नौकरी पाने का संघर्ष, किस्मत, जुगाड़ या परिवारवाद से अच्छे अस्पताल या घर में पहले से चल रहे अस्पताल से जुड़ गए तो ठीक, वर्ना छोटे अस्पतालों में काम के घंटे ज्यादा और कम तनख्वाह में गुजारा करना पड़ता है। अपना खुद का क्लीनिक खोलने पर प्रैक्टिस नहीं चली तो ये खतरा लोग कम ही मोल लेते हैं। यानी सालों की मशक्कत के बाद करियर में कामयाबी कितनी मिलेगी, इसका पता नहीं रहता।

भारतीय डॉक्टर चले जाते हैं विदेश

भारत में हर साल नेशनल मेडिकल काउंसिल में रजिस्टर होने वाले कुल डॉक्टरों में से लगभग 7 प्रतिशत डॉक्टर ओसीईडी देशों में चले जाते हैं–ओसीईडी यानी ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक्स कॉपरेशन एंड डेवलपमेंट में वैसे तो 32 देश आते हैं लेकिन ओसीईडी की खुद की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा भारतीय डॉक्टर अमेरिका, यूरोप, कनाडा और आस्ट्रेलिया जाकर प्रैक्टिस करते हैं। ओसीईडी के आंकड़ों के मुताबिक इस समय 70 हजार से ज्यादा भारतीय डॉक्टर विदेशों में प्रैक्टिस कर रहे हैं।

जाहिर है बाहर काम करने की एक बड़ी वजह ज्यादा वेतन तो है इसके अलावा काम करने के हालात भारत से बेहतर है। देश के सबसे जाने माने अस्पताल दिल्ली के एम्स में एमडी की पढ़ाई करते वक्त सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर की ड्यूटी के घंटे 36 घंटे से लेकर 76 घंटे तक लगातार भी हो सकते हैं। 24 घंटे की लगातार ड्यूटी तो जूनियर रेजिडेंट और सीनियर रेजिडेंट दोनों को ही करनी पड़ती है। यह हालत देश के कई अस्पतालों में एक समान से ही है। छोटे शहरों में डॉक्टरी सीखने के लिए अगर किसी छोटे मेडिकल कॉलेज में एडमिशन हो जाए या फिर किसी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नौकरी लग जाए तो वहां काम करने के लिए जरूरी उपकरण और हाइजीन वाला माहौल मिलना भी एक चुनौती हो सकता है।

छोटे शहरों और गांव में डॉक्टर अपनी सुरक्षा को लेकर भी चिंतित रहते हैं। प्राइवेट सेक्टर में शुरूआती एंट्री आसानी से नहीं मिलती। इसके अलावा पैसा भी शुरूआती सालों में काम मिलता है। डॉक्टरी का पोस्ट ग्रेजुएट यानी की एमडी या एमएस करने के बाद जब डॉक्टर सीनियर रेजिडेंसी कर रहा होता है,तब सरकारी व्यवस्था में उसे 80000 से सवा लाख रुपए तक महीने का वेतन मिल जाता है। लेकिन प्राइवेट सेक्टर में पहले नौकरी में इससे कम तनख्वाह भी मिल सकती है।

ऐसे में अगर घर परिवार में किसी का अपना अस्पताल ना हो या फिर कोई चला चलाया मेडिकल सेटअप यानी की क्लीनिक ना हो तो 30 साल की उम्र में डाक्टरी की पढ़ाई करने के बाद सेट होने में काफी पापड़ बेलने पड़ सकते हैं। जबकि एमबीए,आईटी और दूसरे नए प्रोफेशन में शुरूआती नौकरी 25 साल की उम्र में ही मिल जाती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

नैशनल मेडिकल काउंसिल से जुड़े रहे डॉक्टर अशोक सेठ का मानना है कि अब डॉक्टरी के पैसे में मिशन वाली भावना नहीं रही। और जब किसी काम को पूरी तरह प्रोफेशन के तौर पर देखा जाए तो मुनाफे के हिसाब से डॉक्टरी का पेशा शुरूआत के कुछ सालों में घाटे का सौदा हो सकता है।

दिल्ली के फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक सेठ के मुताबिक आज भी डॉक्टरी के अलावा दूसरा कोई ऐसा पेशा नहीं है जिसमें रोज बहुत से लोगों की दुआएं मिलती हो।

एनालिटिस इंडिया मैगजीन 2024 के डाटा के मुताबिक भारत में सफल करियर ऑप्शंस में पहले नंबर पर बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं, दूसरे नंबर पर मैनेजमेंट, तीसरे नंबर पर इंजीनियरिंग, अपने नंबर पर डाटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पांच के नंबर पर हेल्थ केयर आता है। इन आंकड़ों के मुताबिक इन में भी डाटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े कैरियर आने वाले समय में पहले पायदान पर हो सकते हैं यह आंकड़े भी इस बात की तस्वीर करते हैं कि अब डॉक्टर और इंजीनियरिंग के पारंपरिक प्रोफेशन से बाहर आज के युवा कामयाबी का रास्ता देख रहे हैं।

तो क्या आने वाले समय में डॉक्टर और मरीज का अनुपात खराब हो सकता है क्या सरकारी अस्पतालों में वेटिंग लिस्ट और बढ़ सकती है या फिर भारत में हेल्थ केयर की व्यवस्था का जमा प्राइवेट सेक्टर में जुड़े डॉक्टर ही संभाल रहे होंगे – आशा की एक किरण यह जरूर है कि भारत में हर साल डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए जरूरी नीट की परीक्षा देने वाले छात्रों की संख्या बढ़ती है। भारत में कुल 706 मेडिकल कॉलेज है जिनमें 1 लाख से ज्यादा सीटें मौजूद हैं।

बीते 2 सालों में मेडिकल कॉलेज को खोलने और सिम बढ़ाने की रफ्तार तेज हुई है, जिससे ज्यादा छात्र डॉक्टर बनने के बारे में उम्मीद से सोच सके।

अगर डॉक्टर के लिए काम करने के हालात और प्राइवेट सेक्टर में सैलरी थोड़ी बेहतर हो जाए तो बाहर जाने वाले डॉक्टर को भी शायद रोका जा सके और भारत में डॉक्टरों की संख्या बढ़ सके।

मांगने के बाद भी नहीं मिला काम

अलग-अलग किरदारों से अपनी एक अलग पहचान बनाने वाली नीना गुप्ता ने अपने करियर के संघर्ष के दिनों को किया याद

नीना गुप्ता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में अमर उजाला डिजिटल से बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री की एक सच्चाई को भी सामने लाया। साथ ही उन्होंने ओटीटी पर आई उनकी फिल्मों के बारे में भी खुलकर बात की। एक समय नीना गुप्ता ने सोशल मीडिया पर काम मांगते हुए एक पोस्ट शेयर की थी, जिसने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। लेकिन उस पोस्ट का क्या असर हुआ? इस पर नीना का कहना है कि उस पोस्ट से कुछ खास काम नहीं मिला। काम तो तब मिलता है जब फिल्म चलती है और उसमें आपका रोल दमदार होता है। उस पोस्ट से कुछ फायदा नहीं हुआ। बात यहीं खत्म नहीं होती। नीना बताती हैं कि उन्होंने एक ऐसी फिल्म में काम किया, जिसके लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड तक मिला। लेकिन अफसोस, उस फिल्म को शायद ही किसी ने देखा हो। नीना गुप्ता ने कहा कि नेशनल अवॉर्ड मिला, लेकिन वो फिल्म आज तक किसी ने देखी तक नहीं। ओटीटी पर तो पब्लिसिटी भी नहीं होती। फिल्में आती हैं और बिना शोर के चली जाती हैं। जाहिर है कि नीना गुप्ता को फिल्म 'ऊंचाई' के लिए 70वें नेशनल अवॉर्ड में बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था। नीना गुप्ता मानती हैं कि उन्हें असली पहचान बधाई हो से मिली। उन्होंने कहा कि मैंने पांच प्रोजेक्ट किए, लेकिन सब चुपचाप निकल गए। असली ब्रेक तो बधाई हो ने दिया। वो फिल्म चली, मेरा रोल लोगों को पसंद आया। वहीं से मेरी किस्मत पलटी।

भगवान ने हर चीज से नवाजा है-जुबिन नौटियाल

मोहम्मद रफी और नुसरत फतेह अली खान के गीत सुनते सुनते बड़े हुए गायक जुबिन नौटियाल ने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत, स्कूल के दिनों से ही सीखना शुरू कर दिया। बचपन में सुने गीतों ने उन्हें अच्छा और सामाजिक रूप से जिम्मेदार गायक बनने में मदद की। फिर, उन्होंने अपने माता-पिता की संगीत की ललक को भी जीया और हिंदी फिल्म जगत में वह मुकाम हासिल किया, जहां उन्हें यशराज फिल्म्स के लिए गाने का न्यौता मिला। सच पूछें तो ये गाना रिकॉर्ड होते समय मुझे पता नहीं था कि ये किस फिल्म का गाना है!

गाने का स्क्रैच सुनकर मुझे ऐसा जरूर लगा कि बहुत टाइम बाद एक इतना पका हुआ गाना मेरे पास आया है। रिकॉर्डिंग के समय ये समझ आया कि ये तो अपनी ही आवाज के लिए बना हुआ गाना है। और, ये चुनाव रहा फिल्म के निर्देशक मोहित सूरी का जिन्होंने ये तय किया कि ये गाना मेरी ही आवाज में अच्छा लगेगा। इसके बाद जब ये पता चला कि ये गाना यशराज फिल्म्स की पिक्चर के लिए रिकॉर्ड हुआ है तो सोने पर सुहागा हो गया।साल 2005 की बात है, मैं तब 10वीं क्लास में था। उस वक्त 'जहर' और 'कलयुग' जैसी फिल्में और उनका संगीत लेकर मोहित सूरी मेरे जीवन में आए। ऐसा कम होता है कि पहली बार कोई गाना सुनाई दे, और मन कर जाए कि गिटार उठाकर मुझे भी ये गाना है। 10वीं में मेरे पास संगीत एक विषय के तौर पर था। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की परीक्षाएं मैंने 10वीं के बाद 12वीं में भी दी। फिर 'आशिकी 2' आई और उनके गानों की अनोखी आवाजें दिल मे बसने लहीं। भगवान ने हर चीज से नवाजा है। बहुत प्यार दिया है। माता-पिता बहुत अच्छे दिए हैं। बहनें बहुत अच्छी दीं। दोस्त यार बहुत अच्छे दिए।

चाहे महिला हो या पुरुष, जिम्मेदारी बराबर है-चित्रांगदा

इन दिनों फिल्म इंडस्ट्री में वर्किंग यानी कामकाजी महिलाओं को लेकर एक अहम बहस चल रही है। खासकर उन आर्टिस्ट को लेकर जो मां भी हैं और अपने करियर को भी संभाल रही हैं। हाल ही में दीपिका पादुकोण ने मां बनने के बाद आठ घंटे ही शूटिंग करने की डिमांड मेकर्स के सामने रखी।

इसके बाद ही यह बहस शुरू हुई। इस मुद्दे पर एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह ने भी अपनी राय रखी है। बॉलीवुड एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह हालिया रिलीज फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आ रही हैं। इसी बीच खास बातचीत में एक्ट्रेस ने फिल्म इंडस्ट्री में वर्किंग महिलाओं के लिए 8 घंटे की शिफ्ट को लेकर अपनी राय रखी। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि सबका अपना-अपना माइंडसेट होता है। अपनी पसंद होती है। कोई भी किसी की चॉइस पर सवाल नहीं उठा सकता। लेकिन अगर आप सेट पर आ रहे हैं, चाहे आप मेल एक्टर हों या फीमेल, हम एक क्वालिटी की उम्मीद करते हैं। इसलिए, वहां सबकी बराबर जिम्मेदारी होनी चाहिए। काम का मतलब काम होता है। मुझे लगता है कि मेल या फीमेल, इससे फर्क नहीं पड़ता। काम की जिम्मेदारी सबकी होती है। चित्रांगदा ने आगे बताया, मैंने खुद सात साल का ब्रेक लिया था। जब मेरा बेटा हुआ, मैंने पूरा काम छोड़ दिया। इससे मेरे करियर पर असर पड़ा। लेकिन वो मेरी चॉइस थी। ये एक पर्सनल चॉइस थी। कोई उस पर सवाल नहीं उठा सकता। हर किसी की प्रायोरिटी होती है। मैं उस महिला की भी इज्जत करती हूं जो साफ तौर पर कहती है कि मैं इससे ज्यादा काम नहीं कर सकती। लेकिन मैं मेकर्स की भी इज्जत करती हूं क्योंकि सिनेमा एक बिजनेस भी है। इसमें कोई न कोई पैसा, वक्त और मेहनत लगा रहा होता है। चाहे वो प्रोड्यूसर हो, डायरेक्टर हो या बाकी कलाकार। हर कोई अपने हिस्से का काम करता है, तो उन्हें भी वही क्वालिटी और डेडिकेशन चाहिए होता है। काम काम होता है। मुझे लगता है सबसे अहम बात है- बैलेंस बनाना। हर वर्किंग महिला, चाहे वो फिल्म इंडस्ट्री की हो या कॉर्पोरेट वर्ल्ड की, यही करती है। कोई भी हर बार अपनी शर्तें नहीं रख सकता, लेकिन अगर आपके पास ये सुविधा है तो जरूर रखिए। ये आपका हक है। वर्किंग महिलाओं के लिए 8 घंटे की शिफ्ट की मांग पर इंडस्ट्री में कई पर्सनालिटीज ने अपनी बात रखी है।कबीर खान ने दीपिका पादुकोण का समर्थन करते हुए कहा कि अगर आमिर और अक्षय को 8 घंटे मिल सकते हैं, तो दीपिका को क्यों नहीं? सुरवीन चावला ने कहा कि किसी महिला की पर्सनल पैशन को सिर्फ इसलिए रोक देना कि वो मां बन गई है - ये सही नहीं है। राणा दग्गुबाती का मानना है कि 8 घंटे की मांग ठीक है, लेकिन किसी पर दबाव नहीं होना चाहिए। वहीं डायरेक्टर तारुण मनसुखानी ने कहा कि शिफ्ट पहले से तय होनी चाहिए, वरना शूटिंग में दिक्कत आती है।

मुझे लगता है कि सबका अपना-अपना माइंडसेट होता है। अपनी पसंद होती है। कोई भी किसी की चॉइस पर सवाल नहीं उठा सकता। लेकिन अगर आप सेट पर आ रहे हैं, चाहे आप मेल एक्टर हों या फीमेल, हम एक क्वालिटी की उम्मीद करते हैं। इसलिए वहां सबकी बराबर जिम्मेदारी होनी चाहिए।

साउथ अफ्रीका 216 रन आगे

सिर पर बॉल लगने से बेनेट रिटायर हर्ट

बुलवायो। सीन विलियम्स ने शतकीय पारी खेलकर जिम्बाब्वे को बुलवायो टेस्ट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ फॉलोऑन खेलने से बचा लिया है। हालांकि, टीम रविवार को मैच के दूसरे दिन 216 रन से पिछड़ रही है। स्टंप्स तक साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 49 रन बना लिए हैं। टोनी डी जोरी 22 और वियान मुल्डन 25 रन बनाकर नाबाद हैं। मैथ्यू ब्रीट्जके एक रन बनाकर आउट हुए। उन्हें तनाका चिवंगा ने आउट किया। इससे पहले, जिम्बाब्वे की टीम पहली पारी में 251 रन पर ऑलआउट हो गई। दिन की शुरुआत में साउथ अफ्रीका ने पहली पारी 418/9 के स्कोर पर डिक्लेयर की।

जिम्बाब्वे की खराब शुरूआत, 23 रन पर दो विकेट गंवा

418 रन के जवाब में खेलने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही। टीम ने सिर्फ 23 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। 28 रन के टीम स्कोर पर युवा ओपनर ब्रायन बेनेट (19) सिर पर गेंद लगने के कारण कन्कशन हो गए। उन्हें प्रिंस मास्वाउरे (7) ने रिप्लेस किया, लेकिन वे कुछ खास नहीं कर सके।

विलियम्स-इरविन ने पारी संभाली

28 रन पर 3 बैटर्स के पवेलियन लौटने के बाद नंबर-4 पर उतरे सीन विलियम्स और कप्तान क्रेग इरविन ने जिम्बाब्वे की पारी को संभाला। लेकिन, 119 रन पर कप्तान इरविन 36 रन बनाकर आउट हो गए। कप्तान के आउट होते ही टीम के विकेट गिरने लगे। टीम ने 201 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे।

टी20 वर्ल्ड कप जीत के 1 साल पूरे होने पर टीम इंडिया ने बर्मिंघम में काटा स्पेशल केक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम फिलहाल इंग्लैंड में है और टीम इंडिया दूसरे टेस्ट की तैयारी कर रही है। भारत को पहले टेस्ट में हार मिली थी। ऐसे में टीम सीरीज में वापसी की कोशिश में है। इस बीच 29 जून को टी20 वर्ल्ड कप जीत के एक साल भी पूरे हुए। और इस मौके पर भारत के सभी खिलाड़ी लंदन के एक रेस्टोरेंट में इकट्ठा हुए थे। इस बीच पूरी टीम के लिए स्पेशल केक का इंतजाम कराया गया और फिर सभी खिलाड़ियों ने केक काटकर एक दूसरे का मुंह मीठा किया और जमकर जश्न मनाया। ठीक एक साल पहले रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने बारबाडोस में साउथ अफ्रीका को हराकर टी20 वर्ल्ड कप खिताब पर कब्जा किया था। ये भारत का 17 सालों में दूसरा टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी थी। वहीं 11 सालों में भारत ने कोई आईसीसी ट्रॉफी जीती थी। केक कटिंग के दौरान सबसे आगे मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह थे। वहीं यशस्वी जायसवाल, रवींद्र जडेजा और अर्शदीप सिंह ने भी केक का लुत्फ उठाया। इस बीच सभी ने यहां ये भी कहा कि, हम सिर्फ जस्सी भाई पर ही यकीन करते हैं। बता दें कि जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। इस दौरान सभी खिलाड़ियों ने उन्हें केक खिलाया।

पंत ने करवा दिया जडेजा का रिटायरमेंट

ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा मजे किए और खूब केक खाया। पंत ने इस बीच रवींद्र जडेजा को ट्रोल किया और कहा कि, हैपी रिटायरमेंट जडेजा भाई। फिर जडेजा ने कहा कि, मैंने सिर्फ इसी फॉर्मेट से रिटायरमेंट लिया है। अभी दो फॉर्मेट और बाकी है। भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप की जीत बेहद ज्यादा यादगार थी। ऐसा इसलिए था क्योंकि साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 30 गेंदों पर 30 रन बनाने थे और 6 विकेट हाथ में थे। क्लासेन और मिलर बैटिंगकर रहे थे। लेकिन तभी बुमराह, अर्शदीप और हार्दिक पंड्या ने टीम इंडिया की मैच में वापसी करा दिया। सूर्यकुमार यादव ने डेविड मिलर का जो कैच लिया उसने सारा मैच पलट दिया। फाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच विराट कोहली थे जिन्होंने 76 रन ठोके थे। वहीं बुमराह ने 15 विकेट लिए थे।

एबी डिविलियर्स ने टीम इंडिया पर उठाए सवाल

जसप्रीत बुमराह से जुड़ा है मामला, डेल स्टेन का दिया उदाहरण

नई दिल्ली। जसप्रीत बुमराह को दुनिया का सबसे बेस्ट गेंदबाज माना जाता है। बुमराह ने भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में कमाल का प्रदर्शन किया है और हर बार खुद को साबित किया है। इस खिलाड़ी के लिए वर्कलोड को मैनेज करना शुरूआत से ही मुश्किल रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को 5 विकेट से हार मिली। ऐसे में टीम इंडिया टेस्ट सीरीज में हर हाल में वापसी करना चाहती है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या बुमराह दूसरा टेस्ट खेलेंगे। इस बीच साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने बुमराह को लेकर बड़ा बयान दिया है। एबी डिविलियर्स ने कहा कि, बुमराह को सभी 5 टेस्ट मैच खेलने चाहिए। भारत को पहले से ही ये प्लान करके नहीं चलना चाहिए था कि बुमराह सिर्फ 3 टेस्ट ही खेलेंगे। बुमराह फिलहाल इस फॉर्मेट में दुनिया के नंबर 1 गेंदबाज हैं। ऐसे में उन्हें आराम देना बेहद मुश्किल है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि, टेस्ट क्रिकेट सबसे बड़ा फॉर्मेट है। इस टेस्ट सीरीज में बुमराह को सभी 5 मैचों में हिस्सा लेना चाहिए। बता दें कि डिविलियर्स भी अपने करियर में बुमराह का सामना कर चुके हैं। ऐसे में उन्होंने दिग्गज गेंदबाज डेल स्टेन का भी उदाहरण दिया और बताया कि कैसे साउथ अफ्रीकाने उन्हें मैनेज किया था। क्योंकि वो भी कई बार चोटिल हुए थे।

सोमवार, 30 जून राशिफल

मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन खास रहने वाला है। कारोबार से जुड़े लोग अपनी योजनाओं पर गंभीरता से काम करेंगे। नौकरी में अगर कोई जिम्मेदारी दी जाए तो उसका ठीक से निर्वहन करें। गलती की गुंजाइश न रखें।

वृषभ राशि के जातकों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको आर्थिक लाभ मिलने के आसार हैं। किसी पुराने निवेश से आपको फायदा हो सकता है। इससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। अगर पैसों को लेकर चिंता बनी हुई थी तो आज आपको राहत मिलेगी।

मिथुन राशि के जातकों के लिए आज का दिन बेहतर रहने वाला है। अगर कोई दोस्त आपको निवेश की सलाह देता है तो उस पर विचार कर सकते हैं। ससुराल पक्ष से विवाद चल रहा है तो आज सुलह की पहल कर सकते हैं। अगर मन में गुस्सा भी है तो भी शांति बनाए रखें।

कर्क राशि के जातकों की सेहत आज ठीकठाक रहेगी। अगर किसी पुरानी बीमारी से परेशान चल रहे थे तो आज कुछ राहत महसूस होगी। कार्यक्षेत्र में दिक्कतों का सामना कर रहे हैं तो सीनियर लोगों से बात करें। आपकी मेहनत रंग लाएगी। पूरे मन से प्रयास करें।

सिंह राशि के जातकों का आज का दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। लंबे समय से चली आ रही कोई परेशानी खत्म हो सकती है, लेकिन नई संपत्ति खरीदने की योजना फिलहाल टल सकती है। कार्यक्षेत्र में कुछ प्रगति होगी जिससे मन खुश रहेगा।

कन्या राशि वालों के लिए आज का दिन खुशियों से भरा हो सकता है। घर में किसी विवाद को आप बातचीत से सुलझाने में सफल रहेंगे। रिश्तों में आई दूरियां भी कम होंगी। किसी जरूरी कार्य को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है।

तुला राशि वालों के लिए आज का दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। परिवार में किसी सदस्य की तबीयत बिगड़ने से आपको अतिरिक्त जिम्मेदारियां निभानी पड़ सकती हैं। अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें, क्योंकि तनाव और भागदौड़ आपको थका सकते हैं।

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन सामान्य रहेगा लेकिन कुछ मामलों में सकारात्मक संकेत भी लेकर आएगा। अविवाहित लोगों के लिए विवाह के अच्छे प्रस्ताव आ सकते हैं। बेवजह की चिंता छोड़कर अपने काम पर ध्यान लगाएं।

धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन कुछ पुराने पल यादों में लौट सकते हैं। ससुराल पक्ष की ओर से आर्थिक लाभ मिल सकता है। जो छात्र विदेश में पढ़ाई के लिए प्रयास कर रहे हैं, उन्हें कोई अच्छा अवसर मिल सकता है।

मकर राशि के जातकों के लिए आज का दिन शुभ रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सतर्कता बरतनी जरूरी है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता के चलते तनाव हो सकता है, लेकिन सहयोगी और टीम की मदद से आप समय पर काम पूरा कर लेंगे।

कुंभ राशि के जातकों को आज आर्थिक क्षेत्र से कुछ अच्छी खबरें मिल सकती हैं। अगर आप आर्थिक संकट से जूझ रहे थे तो अब राहत मिल सकती है। बैंकिंग से जुड़े लोग नया काम शुरू करने के लिए लोन लेने की योजना बना सकते हैं।

मीन राशि के जातकों की सोच आज काम को लेकर सकारात्मक बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ नया करने की कोशिश रंग ला सकती है। जीवनसाथी से किसी बात पर कहासुनी हो सकती है, लेकिन समझदारी से स्थिति को संभाला जा सकता है।

डॉ. शिल्पा जैन
(एस्ट्रोलॉजर)
मो. 942560752

आईएमए आगरा की संगोष्ठी में चिकित्सा ज्ञान और मानवीय संवेदना का संगम

- डॉक्टर्स डे पर संगोष्ठी में जुटे 250 से अधिक डॉक्टर्स, प्रमुख विषयों पर विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

एनएनआई

आगरा। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) आगरा शाखा द्वारा डॉक्टर्स डे के अवसर पर होटल ग्रैंड मर्क्युर में आयोजित सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) संगोष्ठी ज्ञान, संवाद और सेवा भावना का अनूठा मंच बनी। शहर के 250 से अधिक डॉक्टरों ने इसमें भाग लिया। मुख्य अतिथि प्रो. प्रशांत गुप्ता और प्रो. आर.सी. मिश्रा रहे। सचिव डॉ. राजनीश मिश्रा ने बताया कि यह कार्यक्रम संवाद और सामूहिक समाधान का प्रभावी मंच बना।आईएमए की मैगजीन का विमोचन डॉ. अर्पिता सक्सेना ने किया। कार्यक्रम के दौरान बुजुर्गों की बीमारियों की रोकथाम (डॉ. शम्मी कालरा, डॉ. जे.एन. टंडन), सेप्सिस प्रबंधन (डॉ. अंकुर गोयल, डॉ. राकेश भाटिया), आईसीयू देखभाल (डॉ. मिहिर गुप्ता, डॉ. राजीव बंसल, डॉ. नीरज बसंतानी), किडनी रोग प्रबंधन (डॉ. तरुण मित्तल, डॉ. अमित नारायण), सर्जिकल जटिलताएं (डॉ. करन रावत, डॉ. समीर कुमार), बाल यौन शोषण (डॉ. मुकेश भारद्वाज, डॉ. सीमा सिंह), मेडिको-लीगल मुद्दे (डॉ. संगीता चतुर्वेदी, डॉ. विद्या शेट्टी), हृदय रोग (डॉ. हिमांशु यादव, डॉ. पुनीत गुप्ता), कैंसर स्क्रीनिंग (डॉ. नवनीत अग्रवाल) और ट्रॉमा प्रबंधन (डॉ. रनवीर त्यागी) जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने चर्चा की। अध्यक्ष डॉ. अनुप दीक्षित ने इसे चिकित्सकों के लिए प्रेरणादायक बताया। आयोजन का संचालन डॉ. दीप्तिमाला ने किया। एक जुलाई को सूरसदन में होने वाली सांस्कृतिक संध्या में डॉक्टर नाटक, गीत और नृत्य प्रस्तुत करेंगे। डॉ. अमिता सिंह ने बताया कि यह आयोजन डॉक्टरों के रचनात्मक पक्ष को उजागर करेगा।

ब्रश एवं क्लीनिंग प्रोडक्ट्स एसोसिएशन का गठन, ओडीओपी में शामिल करने की उठी मांग

अध्यक्ष बने अमित मोरियानी, सचिव नितिन अग्रवाल

- सांसद नवीन जैन बोले-आगरा का ब्रश उद्योग भी पाए राष्ट्रीय पहचान

एनएनआई

आगरा। ब्रश एवं क्लीनिंग प्रोडक्ट्स एसोसिएशन का भव्य अधिष्ठापन समारोह रविवार को होटल कोर्टयार्ड बाय मेरिएट में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद नवीन जैन, यूपी लघु उद्योग निगम अध्यक्ष राकेश गर्ग और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

अध्यक्ष अमित मोरियानी, सचिव नितिन अग्रवाल सहित कार्यकारिणी सदस्यों को संरक्षक योगेश कुमार साया ने पद की शपथ दिलाई। सांसद नवीन जैन ने कहा कि जिस प्रकार आगरा का पेठा और जूता देशभर में प्रसिद्ध हैं, उसी तरह ब्रश उद्योग को भी पहचान दिलाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आगरा में 100 से अधिक प्रकार के ब्रश बनते हैं, जिन्हें देश-विदेश में निर्यात किया जाता है। राकेश गर्ग ने कहा कि ब्रश उद्योग को ह्यएक जिला-एक उत्पादह्व (ओडीओपी) योजना में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। मनीष अग्रवाल ने कहा कि यह उद्योग तकनीकी उन्नयन और प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य निर्धारण के साथ चीन को भी टक्कर दे सकता है। सचिव नितिन अग्रवाल ने संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि क्लस्टर लैंड उपलब्ध कराना, ब्रश उत्पादों पर जीएसटी दर 18% से घटाकर 5% कराना और ओडीओपी में ब्रश को शामिल कराना प्रमुख लक्ष्य हैं। कार्यक्रम में ब्रजमोहन अग्रवाल को विशिष्ट सम्मान दिया गया। एसोसिएशन का परिचय विपिन अग्रवाल ने दिया और संचालन सीए अभिषेक बंसल ने किया। इस अवसर पर अशोक अग्रवाल, दीपक मोरयानी, असीम अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, अनमोल गुप्ता, मोहित गोयल, अंशुल गुप्ता, हरेंद्र त्यागी, अंकित गुप्ता, अरविन्द सिंह, अमन अग्रवाल, अनुराग सिंघल, संतोष गुप्ता, विनोद सिंह, गगन गोयल, ऋषभ जैन, अनेक गोयल आदि मौजूद रहे।

एनसेवियर टेक्नोलॉजीज के स्थापना दिवस पर तकनीकी सेमिनार

- होटलों के लिए टिकाऊ एयर-कंडीशनिंग प्रणाली पर विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

एनएनआई

आगरा। एनसेवियर टेक्नोलॉजीज ने अपने 14वें स्थापना दिवस पर ह्यहोटलों के लिए टिकाऊ एयर-कंडीशनिंग सिस्टम के लिए प्रौद्योगिकियों का निर्माणह्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन फतेहाबाद रोड स्थित होटल जेपी पैलेस में किया। सेमिनार का उद्घाटन जेपी होटल के उपाध्यक्ष व टूरिज्म गिल्ड के पूर्व अध्यक्ष हरी सुकुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। संस्था प्रमुख विवेक जोशी ने बताया कि यह संगोष्ठी वायु गुणवत्ता प्रबंधन, उन्नत जल समाधान और ऊर्जा दक्षता जैसे तीन प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित रही। उन्होंने कहा कि कंपनी ने बीते 14 वर्षों में स्मार्ट, टिकाऊ और ग्राहक-केंद्रित तकनीकी समाधानों के जरिये व्यवसायिक विकास के साथ-साथ पर्यावरणीय दायित्व निभाने की दिशा में अहम योगदान दिया है। कॉर्पोरेट मामलों और मानव संसाधन प्रमुख अम्बीली मेनन ने बताया कि सेमिनार में उभरती तकनीकों, व्यवहारिक अनुप्रयोगों और पर्यावरण के प्रति जागरूक इंजीनियरिंग के महत्व पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए गए। कार्यक्रम में उद्योग विशेषज्ञों, तकनीकी सलाहकारों और प्रमुख नीति निर्धारकों ने सहभागिता की और टिकाऊ इंफ्रास्ट्रक्चर के भविष्य को लेकर विचार विमर्श किया। सेमिनार का उद्देश्य होटल उद्योग में ऊर्जा कुशल और पर्यावरण अनुकूल समाधान अपनाने की दिशा में मार्गदर्शन देना रहा।

Rashtra Deep
Restaurants
Fully Air Conditioned
A/C BANQUET HALL FOR :-
BIRTHDAY KITTY PARTIES &
FAMILY FANCTIONS
Pure Veg.

NH-2, 15 K.M. Stone, Indian Oil Petrol Pump Premises,
Etmadpur, Agra, Mob :- 9563906777, 9568504777

गुरु तेग बहादुर शहीदी सदी पर 500 मरीजों की हुई निशुल्क जांच

- विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी सेवाएं, आयुष्मान कार्ड और कृत्रिम अंग वितरित

एनएनआई

आगरा। हिंद की चादर गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वीं शहीदी सदी के उपलक्ष्य में पंजाबी विरासत संस्था द्वारा रविवार को गुरुद्वारा गुरु के ताल परिसर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 500 से अधिक मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। इस मौके पर 30 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। आयुर्वेदाचार्य डॉ. सिद्धार्थ जैन के पास 100 से अधिक मरीज पहुंचे, जिन्हें निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। शिविर में 50 से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए, वहीं 20 मरीजों को कृत्रिम अंग वितरित किए गए। शिविर का उद्घाटन संत बाबा प्रीतम सिंह, एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता, डॉ. पार्थ बघेल, डॉ. नंदन डागर और पंजाबी विरासत के संरक्षक चरणजीत थापर ने गुरु तेग बहादुर साहिब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। बाबा प्रीतम सिंह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दिया, यह शिविर उनके जीवन मूल्यों को समर्पित है। इस अवसर पर पूरन डावर, सुनील मनचंदा, बंटी ग्रोवर, नवीन अरोरा, वीर महेन्द्र पाल सिंह द्वारा नेत्रदान कार्ड अभियान की शुरूआत की गई।

डॉ. अशोक बिज, डॉ. हरलीन छाछी, डॉ. आकांक्षा अरोरा, डॉ. संजीव बोहरा, डॉ. मनप्रीत शर्मा सहित अन्य चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राजकुमार जैन, सुनील जैन, चंद्र मोहन सचदेवा, नरेंद्र तनेजा, कमल भाटिया, वंदना क क्कड़, कुसुम महाजन, कंवलदीप सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।